RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-334 | जयपुर, रविवार, 07 जून 2026 | मूल्य-4 रूपये

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर पर जुटने का ऐलान

नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी CJP ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया।

पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री आज शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे।

CJI को जंतर-मंतर पर आज शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति मिली थी, लेकिन दोपहर 3:30 बजे अभिजीत की तबीयत खराब हो जाने के बाद यह समाप्त हो गया। इसके बाद में सोनम वांगचुक के साथ धरनास्थल से रवाना हो गए।

अभिजीत सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे थे। यहां अभिजीत अंबेडकर की ऑटो बायोग्राफी और संविधान की कॉपी लेकर पहुंचे थे।

प्रदर्शन खत्म होने के बाद अभिजीत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि वे अपने माता-पिता से मिलने घर जा रहे हैं।

प्रदर्शन शामिल हुए सोनम वांगचुक

प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, CPI(ML) लिबरेशन के महासचिव दिपांकर भट्टाचार्य, CPI नेता एनी राजा और वामपंथी छात्र और युवा संगठनों के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। उनके साथ CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी मौजूद थे। आशुतोष IIT कानपुर से पास आउट हैं। वे पिछले साल लंदन से भारत लौटे हैं।

CJP के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी।

प्रदर्शन खत्म होने के बाद दिल्ली पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट और खबरों में दावा किया जा रहा है कि पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। लेकिन ऐसी कोई FIR दर्ज नहीं की गई है।

मंत्री के इस्तीफे के लिए 5 दिन की समय सीमा

अभिजीत ने कहा- कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। उन्होंने धमेंद्र को इस्तीफे के लिए 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है, तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा,'कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की तरफ धकेलने की कोशिश कर रही हैं। विदेश में बैठे कुछ लोग यह मानकर चल रहे हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं।

शिवेसना के चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा, 'युवाओं को कॉकरोच कहकर उनका अपमान करना गलत है। अब यही युवा अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी बात सुननी होगी।'

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने CJP प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- 'गुरूरमंद हुक्मरानों तक पहुंचे ये आवाज, अब नौजवानों ने भी कर दिया है इंकलाब।' NCP (SP) के महासचिव रोहित पवार ने कहा, 'CJP को मिल रहा समर्थन यह दिखाता है कि देश के युवाओं में केंद्र सरकार की नीतियों और मुख्य परीक्षाओं में हुई कथित लापरवाही को लेकर गुस्सा बढ़ता जा रहा है।'

चंद्रेसल मठ के महंत की चाकू से गोदकर हत्या

बोलीं-7लोग हिरासत में, 8 घंटे बाद धरना समाप्त

कोटा

कोटा के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में चंद्रेसल मठ के महंत की अज्ञात बदमाशों ने हत्या कर दी। बदमाशों ने सो रहे महंत देवानंद महाराज (35) पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए।

पुलिस के अनुसार घटना शुक्रवार रात करीब 12 बजे की है। ग्रामीणों को महंत मठ में लहूलुहान मिले थे। उन्हें गंभीर हालत में कोटा के महाराव भीम सिंह हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था।

इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। करीब 1100 साल पुराने मठ में मर्डर से साधु-संतों में नाराजगी है। महंत के परिवार और संतों का कहना है कि आरोपियों के पकड़े नहीं जाने तक वे शव नहीं लेंगे। धरने में पहुंची स्क्र तजस्विनी गौतम ने कहा-पुलिस ने 6 से 7 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

हत्या के विरोध में धरने पर बैठे परिजन और साधु-संतों ने प्रशासन के लिखित आश्वासन के बाद करीब 8 घंटे बाद धरना समाप्त कर दिया। जानकारी के अनुसार देवानंद महाराज मायापुरी अखाड़े के महंत थे। वे सवाई माधोपुर जिले के रजवाना के रहने वाले थे। पिछले 4 साल से कोटा स्थित चंद्रेसल गांव के मठ में रह रहे थे।

कोटा देहात भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मुकुट नागर ने बताया कि बदमाश देर रात चंद्रेसल मठ में घुसे थे। उस दौरान नंदनवन महाराज और महंत देवानंद अपने-अपने कमरे में सो रहे थे।

बदमाशों ने नंदनवन महाराज को कमरे में बंद कर दिया। फिर महंत के कमरे में गए। उन्होंने सोते हुए महंत पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उनकी गर्दन व पीठ पर पर कई घाव लगे थे। फिलहाल हत्या का कारण सामने नहीं आया है। हॉस्पिटल पहुंचे संत, धरने पर बैठे

महंत की मर्डर की जानकारी के बाद शुक्रवार सुबह से ही साधु-संत कोटा के एमबीएस हॉस्पिटल पहुंच रहे हैं। उन्होंने साधु-संतों की सुरक्षा में चूक को लेकर सवाल उठाए हैं।

सभी संतों ने कहा कि पूरा संत समाज महंत देवानंद महाराज के परिवार के साथ है। उन्होंने पुलिस-प्रशासन ने जल्द से जल्द अपराधिकयों को पकड़ने की मांग है। सुबह करीब 11.30 बजे संत समाज ने हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी के बाहर ही धरना शुरू कर दिया।

बाघिन-रिद्धि तीसरी बार मां बनी, एक शावक को दिया जन्म

सवाई माधोपुर

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों के लिए शनिवार सुबह खुश खबरी आई है। रणथम्भौर में एक बार फिर से किलकारी गूंजी है। बाघिन टी-124 रिद्धी ने तीसरी बार एक शावक को जन्म दिया है।

जिससे वन्यजीव प्रेमियों में खुशी की लहर है। बाघिन को हाल ही में नाल घाटी वन क्षेत्र में एक शावक के साथ देखा गया है। इससे पहले साल 2022 में एक शावक फिर साल 2023 में तीन शावकों को जन्म दिया था। वन विभाग की लगातार गश्त और निगरानी के दौरान बाघिन और उसके शावक की उपस्थिति दर्ज की

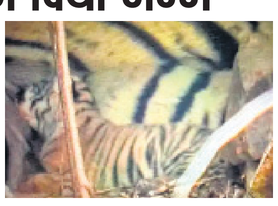

गई हैं। रणथंभौर टाइगर रिजर्व में बाघ,बाघिन और शावकों की संख्या 77 हो गई। रणथंभौर टाइगर रिजर्व में वर्तमान में 23 बाघिन 25 बाघ 29 शावक है।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व फर्स्ट के डीएफओ मानस सिंह ने बताया- इस बाघिन रिद्धि एवं उसके शावक की गतिविधियों पर वन विभाग लगातार निगरानी रख रहा है, ताकि उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण सुनिश्चित किया

मानसून महाराष्ट्र-आंध्र तक पहुंचा, 2 दिन में 7 राज्यों में एंट्री

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ

भारत में तीन दिन की देरी से पहुंचने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार को यह आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर पहुंच गया।

इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक, तमिलनाडु और गोवा में एंट्री की थी। देश में मानसून 4 जून को केरलम पहुंचा था।

IMD के मुताबिक अगले तीन दिनों में मानसून पूर्वोत्तर के सभी राज्यों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। अगले 10 दिनों में इसके बिहार, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है। स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी

शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और बंगाल में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी रह सकती है, क्योंकि इसे आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में कोई मजबूत मौसम सिस्टम एक्टिव नहीं है।

राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर जारी है। बीकानेर में शनिवार को ओले गिरे। श्रीडूंगरगढ़ में वेयरहाउस के टीनशेड और कोटपूतली-बहरोड़ में टेंट उड़ गया। बिहार में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हुई।

केरलम के मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में बारिश का रेड अलर्ट जारी है। त्रिशूर में पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

5 जिलों में बारिश

बीकानेर के लूणकरणसर में शनिवार दोपहर तेज बारिश के साथ ओले गिरे। सीकर, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़ में मौसम बदला और बारिश हुई। जयपुर में भी बूंदाबांदी हुई। अंधड़ से बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में वेयरहाउस के टिनशेड उड़कर आधा किलोमीटर दूर खेत में जा गिरे। वहीं कोटपूतली-बहरोड़ में अंधड़ से टेंट उखड़ गया, जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। इससे पहले 4 जून की शाम से 5 जून की सुबह तक बांसवाड़ा, बूंदी और भीलवाड़ा समेत कई जिलों में 3 इंच तक पानी बरसा। चूरू, हनुमानगढ़ और बीकानेर में ओले भी गिरे।

मां के बॉयफ्रेंड ने की बेटी की गला घोंटाकर की हत्या

सूटकेस में पैक की, होशियारपुर में जलाई

जालंधर

होशियारपुर के जंगल में सूटकेस से 14 वर्षीय लड़की का जला हुआ शव मिलने के मामले में

पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि युवती की हत्या उसकी मां के लिव-इन पार्टनर ने की थी। आरोपी का दावा है कि उसे लड़की का लड़कों से मिलना-जुलना पसंद नहीं था। वह जब उसे इस बात को लेकर रोकता-टोकता था तो लड़की उसकी मां के साथ उसके रिश्ते की बात सबको बताने की धमकी देती थी।

इसी से नाराज होकर आरोपी ने पहले गला घोंटकर हत्या की, फिर शव को सूटकेस में पैक कर खुरालगढ़ के जंगल में ले जाकर जला दिया।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी और मृतका की मां पिछले दो साल से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। आरोपी ने पूछताछ में हत्या की बात कबूल कर ली है।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रूपए महंगा

नई दिल्ली

घरेलू LPG सिलेंडरों के दामों में 29 रूपए की बढ़ोतरी की गई है। नई दरें 7 जून से लागू होंगी। आज से दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर की कीमत 913 रूपए से बढ़कर 942 रूपए हो जाएगी। तीन महीने में दूसरी बार LPG की कीमत बढ़ाई गई है। इससे पहले 7 मार्च को LPG सिलेंडर के दाम 60 बढ़ाए गए थे। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ग्लोबल एनर्जी सप्लाई प्रभावित हुई थी, जिससे अंतरराष्ट्रीय ईंधन कीमतें बढ़ गई थीं।

8 जून की बैठक से पहले इंडिया ब्लॉक में विवाद

सीपीएम-जेएमएम ने भी कांग्रेस से नाराजगी जताई

नई दिल्ली

इंडिया ब्लॉक की बैठक से पहले सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर साथ न देने का आरोप लगाया है। शनिवार को CPI(M) के महासचिव एम. ए. बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने लगातार यह प्रचार किया कि CPI(M) और क्ष्छ्क्क के बीच कोई अंदरूनी डील हुई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने केरल विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व सीएम पिनराई विजयन के खिलाफ ED की कार्रवाई की मांग की, जिससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा।

शुक्रवार को JMM ने भी कहा कि कांग्रेस ने उनसे बिना पूछे राज्यसभा सीट के उम्मीदवार का नाम घोषित कर दिया। इसलिए वे दोनों सीटों पर उम्मीदवार उतारेंगे। दरअसल, 18 जून को झारखंड में दो राज्यसभा सीटों पर वोटिंग होनी है।

सीबीएसई 12वीं की वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन की अंतिम तारीख बढ़ी

अब स्टूडेंट्स 7 जून तक अप्लाई कर सकेंगे

नई दिल्ली

सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड परीक्षा की आंसर शीट के वेरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 6 जून से बढ़ाकर 7 जून कर दी है। बोर्ड के मुताबिक, यह फैसला छात्रों को ज्यादा समय देने और पोर्टल पर सामने आई तकनीकी समस्याओं को देखते हुए लिया है।

CBSE ने 2 जून को पोस्ट-रिजल्ट दिक्कतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इसके बाद कई छात्रों ने आंसर शीट देखने और वेरिफिकेशन, री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन करने के दौरान कई दिक्कत आने की शिकायत की थी। दूसरी तरफ बोर्ड ने पोर्टल पर साइबर हमलों के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। दिल्ली पुलिस ने मामले जांच शुरू कर दी है। बोर्ड के अनुसार, 2 जून से शुरू हुए पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल पर पिछले तीन दिन में लगातार साइबर हमले किए गए, जिन्हें समय रहते रोक दिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, 4 जून तक पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल के जरिए कुल 70,433 आवेदन मिले हैं। इनमें 7,314 मार्क्स वेरिफिकेशन और 63,119 री-इवैल्यूएशन के आवेदन शामिल थे।

85% इथेनॉल मिक्स वाला फ्लेक्स फ्यूल लॉन्च

पेट्रोल से 20 रुपए सस्ता, कीमत 82.12 प्रति लीटर

नई दिल्ली

85% एथेनॉल मिक्स वाला E85 फ्यूल दिल्ली में आधिकारिक तौर पर लॉन्च हो गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इंडियन ऑयल के पूसा रोड आउटलेट पर दिल्ली के पहले E85 फ्यूल डिस्पेंसिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। खास बात ये है कि यह पेट्रोल से 20 रूपए प्रति लीटर सस्ता है। इससे न सिर्फ आम लोगों का गाड़ी चलाने का खर्च कम होगा, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता भी घटेगी। दिल्ली में E85 फ्यूल की कीमत 82.12 रूवण प्रति लीटर तय की गई है। यह दिल्ली में बिक रहे रेगुलर E20 पेट्रोल से पूरे 20 कम है। पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को किसी तरह का भ्रम न हो, इसके लिए E85 फ्यूल देने वाली मशीनों (डिस्पेंसर्स) पर एक खास ब्रांडिंग और अलग से साफ दिखने वाला लेबल लगाया जाएगा।

वैश्विक संकट के बीच भारत की नई आर्थिक रणनीति

पीएम और ईएसी की अहम बैठक, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर फोकस

मुंबई

वैश्विक उथल-पुथल और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा कदम उठाया है।

दुनिया भर में चल रहे आर्थिक संकटों के बीच भारत को एक मजबूत शक्ति बनाए रखने के उद्देश्य से, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। इस उच्च स्तरीय बैठक का मुख्य फोकस देश की आर्थिक वृद्धि को गति देना और वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का डटकर सामना करने के लिए नई रूपरेखा तैयार करना रहा।

वैश्विक संकट में विकास की रणनीति

प्रधानमंत्री और आर्थिक सलाहकार परिषद के बीच हुई इस बैठक में मुख्य रूप से उन रणनीतियों पर मंथन किया गया, जो भारत को वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के दौर में भी तेजी से आगे बढ़ने में मदद कर सकती हैं। बैठक के दौरान, वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल के समय में भारत की आर्थिक वृद्धि को और बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण विचारों और नए उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए केवल नीतियां बनाना ही काफी नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर सुधार करना भी जरूरी है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, बैठक में आम नागरिकों और व्यापार जगत के लिए महत्वपूर्ण सुधारों पर जोर दिया गया। पीएम मोदी और परिषद के सदस्यों ने देश में 'ईज ऑफ लिविंग' यानी जीवन को आसान बनाने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और बेहतर करने वाले विभिन्न सुधारों पर भी चर्चा की। इसका सीधा उद्देश्य देश में व्यापारिक माहौल को अधिक अनुकूल बनाना और लालफीताशाही को कम करना है। इस समय वैश्विक पटल पर पश्चिम एशिया का संघर्ष एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है, जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। बैठक के दौरान इस भू-राजनीतिक संकट को लेकर भी गंभीरता से चर्चा हुई।

पीएम-ईएसी के सदस्यों ने पश्चिम एशिया संघर्ष का भारत सहित पूरी दुनिया पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का अपना आकलन प्रधानमंत्री के सामने पेश किया। यह आकलन सरकार को भविष्य की आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए नीतियां तैयार करने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री और आर्थिक सलाहकार परिषद की यह बैठक इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सरकार वैश्विक चुनौतियों को लेकर पूरी तरह सतर्क है। पश्चिम एशिया के तनाव और वैश्विक उथल-पुथल के बीच भारत अपनी आर्थिक वृद्धि को सुरक्षित रखने और घरेलू स्तर पर व्यापार व जीवन को आसान बनाने वाले सुधारों को तेजी से लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सूर्यकुमार की छुट्टी, श्रेयस टी20 के नए कप्तान, वैभव सूर्यवंशी की एंट्री

दुनिया पर छाने को तैयार बॉस बेबी

मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम का एलान कर दिया है। मुंबई में अजीत अगरकर की अगुआई में सीनियर पुरुष चयन समिति की बैठक हुई जिसमें दोनों सीरीज के लिए टीम का एलान किया गया। दिलचस्प बात यह है कि श्रेयस अय्यर टी20 टीम के नए कप्तान बने हैं, जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तानी का जिम्मा मिला है।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को पहली बार सीनियर टीम में मौका दिया गया है। वैभव ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन किया था और वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। वैभव ने इसके साथ ही इतिहास रच दिया है। वह सीनियर पुरुष टीम में शामिल होने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। बीसीसीआई और चयन समिति को वैभव से काफी उम्मीदें हैं।

श्रेयस अय्यर को जहां टीम की कमान सौंपी गई है वहीं, तिलक वर्मा टीम के नए उपकप्तान बने हैं। तिलक पिछले कुछ समय से टी20 टीम का नियमित रूप से हिस्सा रहे हैं और अब वह श्रेयस के साथ लीडरशीप भूमिका में भी नजर आएंगे।

मेयर को ईमेल से बम की धमकी, एमसीडी मुख्यालय में मचा हड़कंप ; तलाशी में नहीं मिला कुछ संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर की आधिकारिक ईमेल आईडी पर बम धमाकों की धमकी मिलने के बाद प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल में दिल्ली और उसके आसपास के कुछ क्षेत्रों में विस्फोट होने का दावा किया था, इसके बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड में आ गईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और डॉग स्क्वॉड की टीमों को मौके पर भेजा गया। सुरक्षा बलों ने एमसीडी मुख्यालय, मेयर कार्यालय, भवन के कॉमन एरिया, पार्किंग परिसर और अन्य संवेदनशील स्थानों की व्यापक तलाशी ली। कई घंटों तक चले सघन सर्च अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु, विस्फोटक सामग्री या खतरे से जुड़ा कोई संकेत नहीं मिला। एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर परिसर में आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई और सुरक्षा व्यवस्था को अस्थायी रूप से और कड़ा किया गया। जांच पूरी होने के बाद स्थिति को सामान्य घोषित कर दिया गया, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां सतर्क बनी हुई हैं। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस ने तकनीकी और साइबर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञ ईमेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसके स्रोत का पता लगाने में जुटे हैं। जांच एजेंसियां खंगाल रही हैं कि धमकी भरा संदेश देश के भीतर से भेजा गया या इसके लिए किसी विदेशी सर्वर का इस्तेमाल हुआ। प्रारंभिक जांच में किसी वास्तविक खतरे के संकेत नहीं मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह शरारत, अफवाह फैलाने या सुरक्षा एजेंसियों को भ्रमित करने की कोशिश हो सकती है। हालांकि, जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बचा जा रहा है।

अमेरिका में नीलाम हुआ चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ा दुर्लभ फर्नीचर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ की विश्वप्रसिद्ध वास्तु और डिजाइन विरासत से जुड़ी मूल फर्नीचर वस्तुओं की अमेरिका में हुई नीलामी ने फिर संरक्षण और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। विरासत संरक्षण के लिए सक्रिय एडवोकेट अजय जग्गा ने मामले में केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने विदेश मंत्री और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री को पत्र लिखकर नीलाम की गई वस्तुओं की जांच कराने का आग्रह किया है। जग्गा के अनुसार, अमेरिका के राइट ऑक्शन हाउस में आयोजित नीलामी की जानकारी उन्होंने पहले ही संबंधित मंत्रालयों को दे दी थी। इसके बावजूद चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ी सात दुर्लभ फर्नीचर वस्तुएं नीलाम कर दी गईं। ये सभी वस्तुएं प्रसिद्ध वास्तुकार और डिजाइनर पियरे जेनरे द्वारा डिजाइन की गई थीं, जिनका चंडीगढ़ के निर्माण और डिजाइन इतिहास में विशेष महत्व माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, नीलामी में इन वस्तुओं की कुल बिक्री करीब 1.16 करोड़ रुपये में हुई। इनमें सबसे अधिक कीमत एक जोड़ी लाउंज चेयर को मिली, जो लगभग 37.80 लाख रुपये में बिकी। इन वस्तुओं को चंडीगढ़ की आधुनिक वास्तुकला और डिजाइन विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। जग्गा ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों से विरासत फर्नीचर गायब होकर विदेशी नीलामी घरों और निजी संग्रहकर्ताओं तक पहुंच रहा है। उन्होंने मांग की है कि नीलाम की गई वस्तुओं के स्रोत और स्वामित्व की विस्तृत जांच कराई जाए। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भारतीय दूतावासों को सतर्क किया जाए और चंडीगढ़ में मौजूद विरासत फर्नीचर को 'आर्ट ट्रेजर' घोषित कर विशेष कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाए। इस घटनाक्रम ने देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

मथुरा में आईआईटी गुरु गिरफ्तार, महिलाओं के शोषण और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप

मथुरा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मथुरा में धर्म और अध्यात्म की आड़ में महिलाओं के कथित शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने ओडिशा निवासी 29 वर्षीय अभिषेक मिश्रा को गिरफ्तार किया है, जो खुद को 卐आदिकर्ता नारायण दास卐 नाम से धार्मिक गुरु और कथावाचक के रूप में दिखाता था। उस पर महिलाओं को अपने प्रभाव में लेकर उनका यौन शोषण करने, आपत्तिजनक सामग्री के जरिए ब्लैकमेल करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मिश्रा ने आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद आरोपी ने मथुरा के राधाकुंज क्षेत्र में रहकर धार्मिक प्रवचन देना शुरू। आरोपी सोशल मीडिया और 'राधा कृपा अमृत' नामक यूट्यूब चैनल के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच बनाई और खुद को आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में स्थापित किया। लेकिन पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए युवतियों से संपर्क करता था। पुलिस का आरोप है कि वह धीरे-धीरे उन्हें अपने प्रभाव में लेकर परिवार से दूरी बनाने के लिए प्रेरित करता और फिर अपने साथ रहने के लिए तैयार कर लेता था। बताया जा रहा है कि उसके ठिकाने पर एक समय कई युवक और युवतियां साथ रह रहे थे।

लखनऊ गैंगरेप का मुख्य आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पुलिस कार्रवाई में पैर में लगी गोली

लखनऊ (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मॉल कर्मचारी युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को देर रात हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान निगोहां क्षेत्र में उसकी घेराबंदी की गई, जहां आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हुआ और गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, रामादेई खेड़ा मार्ग पर चेकिंग अभियान के दौरान सर्विलांस टीम और पुलिस को आरोपी के आने की सूचना मिली थी। बताया गया कि उपदेश लोधी ऑटो से भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस को देखकर लोधी ने ऑटो भागने का प्रयास किया, लेकिन वाहन असंतुलित होकर पलट गया। इसके बाद आरोपी ने कथित रूप से पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान उसके पैर में गोली लगी और आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया गया।

पीएम मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर सुर्खियों में आए खेड़ा को मिला राज्यसभा का टिकट

सीएम सरमा की पत्नी को लेकर विवादों में रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित उम्मीदवारों की सूची में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा का नाम शामिल हो गया है। जिसकी राजनैतिक गलियारों में खूब चर्चा है। कर्नाटक से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाए गए खेड़ा का संसद के उच्च सदन में पहुंचना लगभग तय है। पार्टी के इस फैसले को कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अपने सबसे सक्रिय, मुखर और संघर्षशील नेता को दिया गया महत्वपूर्ण राजनीतिक सम्मान बताया जा रहा है।

पवन खेड़ा बीते कई वर्षों से कांग्रेस की ओर से भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ सबसे प्रमुख आवाजों में शामिल रहे हैं। टीवी बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंसों और सार्वजनिक मंचों पर उन्होंने लगातार पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के वर्षों में उन्होंने खुद को कांग्रेस के प्रमुख प्रवक्ताओं में स्थापित किया है, जिसके चलते संगठन में उनका कद लगातार बढ़ा है।

वर्ष 2022 के राज्यसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद खेड़ा ने सोशल मीडिया पर निराशा जाहिर कर लिखा था कि शायद उनकी तपस्या में कोई कमी रही। उस समय उन्हें राज्यसभा नहीं भेजने को लेकर पार्टी के भीतर भी चर्चाएं हुई थीं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता को और बढ़ाया तथा कांग्रेस नेतृत्व के भरोसेमंद चेहरों में अपनी जगह मजबूत की।

बीते कुछ वर्षों में खेड़ा कई राजनीतिक और कानूनी विवादों के केंद्र में भी रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े बयान को लेकर उनकी गिरफ्तारी राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रही थी। इसके अलावा असम में दर्ज विभिन्न मामलों और कानूनी चुनौतियों के दौरान भी कांग्रेस नेतृत्व उनके समर्थन में खुलकर खड़ा दिखाई दिया। पार्टी के भीतर धारणा बनी कि खेड़ा ने कठिन परिस्थितियों में भी संगठन का पक्ष मजबूती से रखा और राजनीतिक दबावों का सामना किया।

कांग्रेस के लिए राज्यसभा में प्रभावी वक्ताओं की जरूरत भी इस फैसले की एक महत्वपूर्ण वजह मानी जा रही है। खेड़ा अपनी तार्किक शैली, राजनीतिक मुद्दों पर पकड़ और आक्रामक प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं। माना जा रहा है कि संसद में वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता जयराम रमेश जैसे नेताओं के साथ मिलकर विपक्ष की आवाज को और मजबूत किया जाएगा।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के करीबी माने जाने वाले खेड़ा लंबे समय से कांग्रेस संगठन का हिस्सा हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल से सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खेड़ा ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी है। कर्नाटक जैसी सुरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाए जाने को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका देना चाहता है। राज्यसभा का यह टिकट न केवल उनकी राजनीतिक यात्रा का अहम पड़ाव है, बल्कि कांग्रेस की संगठनात्मक प्राथमिकताओं और नेतृत्व की रणनीति को भी दर्शाता है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने क्यों कहा... इस तरह से हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में पुलिस विभाग के आवासीय क्वार्टरों की जमीन पर निजी मालिकाना हक के दावे और कथित बिक्री से जुड़े मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर तीखी टिप्पणी कर कहा कि यदि इसतरह के दावों को स्वीकार किया, तब भविष्य में सार्वजनिक संस्थानों की संपत्तियां भी सुरक्षित नहीं रहेगी। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने कहा कि जिस जमीन पर वर्षों से पुलिस विभाग का कब्जा है और जहां पुलिसकर्मी रह रहे हैं, उस जमीन को बेचने का दावा करना गंभीर मामला है। अदालत ने कहा, 卐अगर इस तरह की चीजों की अनुमति दी गई, तब आगे चलकर हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी। यह मामला शिवमोगा निवासी श्रीनाथ नगरगद्दे से जुड़ा है, जो पुलिस क्वार्टर की जमीन के कथित बिक्री प्रकरण में आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया कि जमीन पर उनके मुवक्किल का वैध मालिकाना हक है और पुलिस का वहां रहना पूरी तरह से अनधिकृत है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताकर कहा कि मामले की जांच जारी है और न्यायालय तथ्यों के आधार पर निर्णय लेगा। आरोपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एम. अरुण श्याम ने दावा किया कि जमीन वास्तव में एक अन्य आरोपी एम.आर. महालक्ष्मी की है। उनके अनुसार, महालक्ष्मी ने स्वयं को वैध मालिक बताकर कुछ लोगों के साथ बिक्री समझौते किए थे, जिन्हें बाद में आपराधिक मामले में आरोपी बनाया गया। वकील ने कहा कि सरकारी रिकॉर्ड और एन्कम्ब्रेन्स सर्टिफिकेट में भी संपत्ति का नाम कथित मालिकों के पक्ष में दर्ज है। बचाव पक्ष का कहना है कि 1950 से जमीन के रिकॉर्ड आरोपियों और उनके पूर्वजों के नाम पर दर्ज हैं। उन्होंने अदालत में चुनौती देकर कहा कि यदि राज्य सरकार जमीन पर अपने स्वामित्व का एक भी ठोस दस्तावेज पेश कर दे, तब उनके मुवक्किल मुकदमा वापस लेने को तैयार हैं। साथ ही, इस भूमि विवाद से जुड़े दो दीवानी मामले पहले से अदालतों में लंबित हैं।

लाखों अमरनाथ यात्रियों को मिलेगा डिजिटल सुरक्षा कवच

-जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लांच किया 'पहचान एप

जम्मू (एजेंसी)। आगामी अमरनाथ यात्रा को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 'पहचान' नामक विशेष मोबाइल एप लांच किया है। क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पहल का उद्देश्य यात्रा मार्ग पर सेवाएं प्रदान करने वाले लोगों की पहचान और सत्यापन को आसान बनाना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और भरोसेमंद सेवाएं मिल सकें।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एप के तहत घोड़े वाले, पिट्ठू, पालकी संचालक, दुकानदार, स्थानीय सेवा प्रदाता और यात्रा से जुड़े अन्य लोगों का पंजीकरण होगा। पंजीकरण के बाद प्रत्येक व्यक्ति को एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया जाएगा। श्रद्धालु या अधिकारी इस कोड को स्कैन कर संबंधित व्यक्ति की पहचान, पंजीकरण स्थिति और अन्य आवश्यक जानकारियों का तुरंत सत्यापन कर सकते है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर वर्ष अमरनाथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिसके चलते सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां भी बढ़ जाती हैं। इसतरह 'पहचान' एप फर्जी पहचान वाले लोगों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे यात्रियों को केवल सत्यापित और अधिकृत सेवा प्रदाताओं से ही सेवाएं प्राप्त होंगी, जिससे उनकी सुरक्षा और विश्वास दोनों मजबूत होगा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का मानना है कि यह व्यवस्था यात्रियों से अधिक शुल्क वसूलने, सेवा संबंधी विवादों और पहचान से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा प्रशासन को सेवा प्रदाताओं की निगरानी, भीड़ प्रबंधन और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने में सुविधा मिलेगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि यात्रा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया जा रहा है। 'पहचान' एप इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि नई डिजिटल प्रणाली से अमरनाथ यात्रा पहले से अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनेगी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन पर हाईकोर्ट की तत्काल सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर भीड़ नियंत्रण संबंधी निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इंकार किया है। याचिका में पुलिस को प्रदर्शन स्थल और आसपास के प्रवेश मार्गों पर विशेष सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

यह मामला तब चर्चा में आया है जब व्यंग्यात्मक संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके भारत पहुंचने वाले हैं। बताया जा रहा है कि वह शनिवार को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका से रवाना हुए हैं। हालांकि, प्रदर्शन के लिए औपचारिक अनुमति लिए जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

सेव इंडिया फाउंडेशन की ओर से दायर याचिका का उल्लेख अवकाशकालीन पीठ के समक्ष किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद प्रदर्शन और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

दिपके ने मई में ऑनलाइन अभियान की शुरुआत की थी, जिसने सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रियता हासिल की। यह अभियान न्यायपालिका से जुड़ी टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था और देखते ही देखते बड़ी संख्या में युवाओं का ध्यान आकर्षित करने लगा। संगठन ने हाल ही में अपने प्रवक्ताओं की भी नियुक्ति की है और राजधानी में एक प्रेसवार्ता आयोजित कर अपनी गतिविधियों को सार्वजनिक रूप से सामने रखा।

दिपके ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने समर्थकों से अपील की है कि वे दिल्ली हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए एकत्रित न हों। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य शांतिपूर्ण और कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखना है। उन्होंने संकेत दिया कि वह संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर प्रदर्शन के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त करने का प्रयास करने वाले है। इस बीच, प्रशासन संभावित भीड़ को देखते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए है। पुलिस और अन्य एजेंसियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियों का आकलन कर रही हैं। फिलहाल सभी की निगाहें शनिवार को प्रस्तावित कार्यक्रम और उससे जुड़े घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं।

उमर की गोपनीय बैठक से बढ़ीं राजनीतिक चर्चाएं, विधायकों संग तय की आगे की रणनीति

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित की गई विशेष बैठक ने प्रदेश की राजनीति में नई सुगबुगाहट पैदा कर दी है। श्रीनगर से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित क्षेत्र को बैठक के लिए चुनने और वहां सीमित संचार सुविधा होने के कारण राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लग रहे हैं। बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों, मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बैठक को सरकार और संगठन के कामकाज की समीक्षा के लिए आयोजित बताया। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल प्रशासनिक समीक्षा तक सीमित नहीं थी, बल्कि राज्य का दर्जा बहाल करने, पार्टी के राजनीतिक एजेंडे और संगठन के भीतर उभर रही चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने के मुद्दे पर विशेष जोर दिया गया। पार्टी नेताओं ने माना कि जनता ने जिन उम्मीदों के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन दिया था, उन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य के अधिकारों की बहाली को लेकर और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की जरुरत है।

दीदी के नाम पर मलाई चाटने वाले नेता धोखेबाज निकले: महुआ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सत्ता हाथ से निकलने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर छिड़ा आंतरिक कलह अब एक बड़े राजनीतिक संकट में तब्दील हो चुका है। पार्टी के बागी विधायकों के खेमे ने ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुन लिया है। इस बीच ममता बनर्जी को उस समय एक बड़ा झटका लगा, जब विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ बोस ने पार्टी से निष्कासित विधायक ऋतब्रत बंदोपाध्याय के नेतृत्व वाले 58 विधायकों के गुट को मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता दे दी। इस पूरे घटनाक्रम पर अब टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का तीखा बयान सामने आया है, जिन्होंने बागी विधायकों पर बेहद कड़ा प्रहार किया है।सांसद महुआ मोइत्रा ने बागी गुट के नेताओं और ऋतब्रत बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन नेताओं ने सालों तक ममता बनर्जी के नाम पर मलाई खाई, वही आज पार्टी की पीठ में छुरा घोंप रहे हैं।

महुआ ने साफ शब्दों में कहा कि इन नेताओं को सिर्फ सत्ता में बने रहने की आदत हो चुकी है, यही वजह है कि ये लोग विपक्ष में रहकर संघर्ष करने के बजाय अपने लिए एक सेफ रूट तलाश रहे हैं। बागी विधायकों को खरी-खोटी सुनाते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग किसी काम के नहीं हैं और पार्टी में रहकर सिर्फ ममता दीदी के करिश्मे के भरोसे आगे बढ़ते रहे। उन्होंने बागियों को चुनौती देते हुए कहा, जाना है तो आज ही जाइए। ऋतब्रत कांग्रेस में शामिल हो जाइए या जो मन आए वो करिए, लेकिन खुद को तृणमूल कांग्रेस कहने का अधिकार आपको बिल्कुल नहीं है। इस दौरान महुआ मोइत्रा ने भाजपा पर पार्टी को तोड़ने की बड़ी साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि वे कभी तृणमूल के सिपाही हुआ करते थे, इसलिए उन्हें हर एक विधायक की कमजोरी अच्छी तरह पता है और भाजपा इसी का फायदा उठा रही है।

मोइत्रा ने दावा किया कि सबीना यास्मिन और जावेद खान जैसे नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों और गिरफ्तारी की धमकियां देकर डराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सबीना यास्मिन को मोताबारी हिंसा के मामले में एनआईए द्वारा पकड़े जाने का डर दिखाया गया, जबकि जावेद खान को इलाके में अवैध निर्माण के मामले में उनके बेटे सहित गिरफ्तार करने की धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि इन नेताओं में 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद विपक्ष में बैठने की हिम्मत नहीं बची है।पार्टी के भीतर मचे इस भारी घमासान के बावजूद महुआ मोइत्रा ने भरोसा जताया कि टीएमसी बिखरने वाली नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ममता बनर्जी और उनका कोर ग्रुप ही असली पार्टी है और वे सभी मिलकर नए सिरे से शुरुआत करेंगे। चुनाव आयोग द्वारा बागी गुट को मान्यता दिए जाने और भविष्य में पार्टी सिंबल छिनने के खतरे पर मोइत्रा ने दृढ़ता से कहा, जब ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़ी थी, तब उन्होंने सिर्फ एक पेन और कागज उठाकर खुद यह सिंबल बनाया था और जीत हासिल की थी। जो महिला खुद अपना सिंबल बनाकर चुनाव लड़ सकती है और तीन बार मुख्यमंत्री बन सकती है, वह दोबारा लड़कर नया सिंबल भी बना लेगी। हमें इसकी कोई परवाह नहीं है, वे कोई भी तस्वीर या सिंबल ले लें, लेकिन वे कभी भी असली तृणमूल कांग्रेस नहीं बन पाएंगे।

गडकरी के हाथों होगा एशिया की सबसे लंबी जोजिला सुरंग का शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 9 जून को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की सीमा पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग के शिलान्यास समारोह में शामिल हो रहे है। राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोजिला दर्रे को काटकर बनाई जाने वाली यह सुरंग कश्मीर के गांदरबल जिले के बाल्टल को लद्दाख के कारगिल जिले के मीनामर्ग से जोड़ेगी।

यह 13.15 किलोमीटर लंबी सुरंग तीन घंटे से अधिक के सफर को घटाकर मात्र 15 मिनट का करेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 6,808.69 करोड़ है। पूरा होने पर, यह भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग होने के साथ-साथ 11,578 फीट की ऊंचाई पर स्थित एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सुरंग भी बनेगी। यह परियोजना श्रीनगर और लेह के बीच सर्व-मौसम संपर्क स्थापित करने की भारत की योजना के लिए केंद्रीय महत्व रखती है। इस सुरंग से लद्दाख क्षेत्र में तैनात बलों के लिए सैन्य गतिशीलता और रसद सहायता में उल्लेखनीय सुधार होगा, साथ ही यह क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। रणनीतिक दृष्टि से, यह नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट स्थित सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों और आपूर्ति की आवाजाही को भी तेज करेगी।

हालांकि, परियोजना ने अतीत में कई बाधाओं का सामना किया है। मई 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) को मिला ठेका जनवरी 2019 में कंपनी के वित्तीय संकट के कारण रद्द हुआ था। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने परियोजना को विशेषज्ञ समूह द्वारा समीक्षा के लिए भेजा, और रिपोर्ट को मंजूरी मिलने के बाद, जून 2020 में नए सिरे से बोलियां आमंत्रित की गईं। महामारी, पास के सोनमर्ग सुरंग परियोजना पर हुए आतंकवादी हमले और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के कारण भी परियोजना की प्रगति प्रभावित हुई है। हालांकि, अधिकारी ने फरवरी 2028 की समय सीमा से पहले पहुंच मार्ग और वेंटिलेशन सिस्टम सहित पूरी सड़क परियोजना के चालू होने पर कोई अतिरिक्त जानकारी देने से इंकार किया।

बंगाल की बगावत से गदगद भाजपा, बदलेंगे संसद में समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष इस कदर बढ़ गया है कि पार्टी अब टूटने की कगार पर पहुंच गई है। टीएमसी के इस उभरते आंतरिक संकट ने न केवल राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी भी इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि यदि टीएमसी में विभाजन होता है, तो इसका सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को संसद में मिल सकता है, जहां कई महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए अतिरिक्त संख्या बल की आवश्यकता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करना ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है, बल्कि असली ध्यान संसद में अपनी स्थिति को मजबूत करने पर है। यदि टीएमसी का असंतुष्ट गुट अलग होकर नया समूह बनाता है, तो उसके सांसद राष्ट्रीय हितों से जुड़े मसलों पर एनडीए सरकार का समर्थन कर सकते हैं। टीएमसी के भीतर मतभेद उस समय खुलकर सामने आए जब कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किए गए नेता रितब्रत बनर्जी ने पार्टी के 80 में से 58 विधायकों के समर्थन का दावा करते हुए विपक्ष के नेता पद पर अपना दावा ठोक दिया। बाद में उन्होंने इस संख्या के 60 तक होने की बात कही, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती है।

बीजेपी इस स्थिति की तुलना महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विभाजन से कर रही है, जिसने वहां राजनीतिक समीकरण बदल दिए थे। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) में हुए हालिया घटनाक्रम का भी हवाला दिया जा रहा है, जहां राज्यसभा के कई सांसद अलग होकर सरकार के करीब आए। संसद में संख्या बल बढ़ाने की यह कवायद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अप्रैल में लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण और सदन की सदस्य संख्या 545 से बढ़ाकर 850 करने से संबंधित संविधान (131वां संशोधन) विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत न मिलने के कारण पारित नहीं हो सका था। इसके अलावा सरकार वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक को भी आगे बढ़ाने की तैयारी में है।

इसी रणनीति के तहत भाजपा दक्षिण भारत में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के साथ भी संपर्क बढ़ाने की कोशिशों में जुटी है। गृह मंत्रालय परिसीमन विधेयक का ऐसा नया मसौदा तैयार कर रहा है, जिससे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर किया जा सके। पूर्व में कांग्रेस, टीएमसी और डीएमके समेत पूरे विपक्षी गठबंधन ने एकजुट होकर इस विधेयक का विरोध किया था। वर्तमान में टीएमसी के 28 और डीएमके के 22 सांसद हैं। यदि विपक्षी दलों में मतभेद उभरते हैं और टीएमसी का असंतुष्ट गुट एनडीए के पक्ष में आता है, तो सरकार के लिए संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत का लक्ष्य हासिल करना बेहद आसान हो जाएगा।

भीलवाड़ा को दहलाने वाली वारदात: नौकरी का झांसा देकर महिला से वर्षों तक दुराचार, अश्लील वीडियो बना जेवरात हड़पे, अब दरगाह ले जाकर 'धर्म परिवर्तन' का खूनी दबाव

प्रतापनगर थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी भूरे खां, भांजे आदिल सहित मुल्ला-मौलवियों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

वारदात की शुरुआत: वर्ष 2023 में रोजगार का झांसा देकर सुनसान स्थान पर बुलाया, धारदार चाकू अड़ाकर लूटी अस्मत

ब्लैकमेलिंग का खेल: लोक-लाज का डर दिखाकर आरोपी वर्षों तक करता रहा दैहिक व मानसिक शोषण, घर की नकदी और सोने के आभूषण भी हड़पे।

सहयोगी की भूमिका: जनवरी 2026 में वारदात के दौरान कमरा बाहर से बंद कर पहरा देता रहा आरोपी का सगा भांजा आदिल

मजहबी सिंडिकेट: मार्च 2026 में करेडा स्थित दरगाह ले जाकर मुल्ला-मौलवियों ने बनाया सनातन धर्म छोड़ मुस्लिम रीति-रिवाज अपनाने का दबाव।

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

वस्त्र नगरी के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में रूह कंपा देने वाला एक ऐसा आपराधिक मामला सामने आया है, जिसने समाज और पुलिस प्रशासन को झकझोर कर रख दिया है। एक असहाय महिला को पहले नौकरी का झांसा देकर जाल में फंसाने, चाकू की नोक पर उसकी अस्मत लूटने, अश्लील वीडियो बनाकर सालों तक ब्लैकमेल करने और अंततः जबरन मजहब तब्दील (धर्म परिवर्तन) कराने का खौफनाक मामला दर्ज हुआ है।

पीड़िता की लिखित तहरीर पर प्रतापनगर थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी भूरे खां, उसके मददगार भांजे आदिल और करेडा दरगाह के कुछ अज्ञात मुल्ला-मौलवियों के खिलाफ सामूहिक दुराचार, ब्लैकमेलिंग, आर्थिक धोखाधड़ी तथा हाल ही में लागू हुए 'राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2025' की संगीन धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए विशेष टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

चाकू की नोक पर बनाया अश्लील वीडियो, सालों तक किया आर्थिक शोषण

थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रताड़ना की स्क्रिप्ट वर्ष 2023 में लिखी गई थी। पीड़िता को गंभीर आर्थिक जरूरत थी, जिसका फायदा उठाते हुए आरोपी भूरे खां ने उसे एक अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा दिया। आरोपी ने महिला को एक एकांत ठिकाने पर बुलाया, जहां पहुंचते ही उसने महिला के गले पर धारदार चाकू अड़ा दिया और जान से मारने की धमकी देकर जबरन दुष्कर्म किया। इस घिनौने कृत्य के दौरान आरोपी ने पीड़िता के कुछ अत्यंत अश्लील फोटो और वीडियो भी अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिए।

इसके बाद आरोपी ने इन वीडियो को सोशल मीडिया और महिला के परिवार में सार्वजनिक करने का डर दिखाकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से पंगु बना दिया। लोक-लाज और जान के भय से पीड़ित महिला चुप रही, जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने ब्लैकमेलिंग के दम पर महिला से लाखों रुपए की नकदी और सोने के बेशकीमती जेवरात भी जबरन हड़प लिए।

भांजे आदिल ने दिया पहरा, करेडा दरगाह में बनाया धर्म परिवर्तन का सिंडिकेट

पीड़िता ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि आरोपियों के हौसले इस कदर बुलंद थे कि जनवरी 2026 में आरोपी भूरे खां अपने सगे भांजे आदिल को साथ लेकर फिर वारदात करने पहुंचा। वारदात के दौरान भांजा आदिल कमरे के बाहर मुस्तैदी से पहरा देता रहा और आने-जाने वालों की निगरानी करता रहा, जबकि अंदर मामा भूरे खां ने बेबस महिला के साथ पुनः दुराचार किया।

मामले में सबसे गंभीर मोड़ मार्च 2026 में आया, जब आरोपी भूरे खां महिला को डरा-धमकाकर जबरन करेडा क्षेत्र में स्थित एक दरगाह पर ले गया। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद कुछ कट्टरपंथी मुल्ला-मौलवियों ने महिला को चारों तरफ से घेर लिया और उस पर अपना सनातन धर्म छोड़कर 'इस्लाम' कबूल करने तथा मुस्लिम रीति-रिवाज अपनाने का खूनी दबाव बनाया। मना करने पर उसे और उसके परिवार को हमेशा के लिए गायब करने की धमकी दी गई।

परिजनों को बताई आपबीती, पुलिस महकमे में हड़कंप

लंबे समय तक इस भयानक मानसिक अवसाद और मजहबी सिंडिकेट के खौफ को झेलने के बाद आखिरकार पीड़िता के सब्र का बांध टूट गया। उसने हिम्मत जुटाकर रोते हुए अपने परिजनों को पूरी आपबीती सुनाई। वारदात सुनते ही परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई और वे तुरंत पीड़िता को लेकर प्रतापनगर थाने पहुंचे।

थानाधिकारी के अनुसार, धर्म परिवर्तन और ब्लैकमेलिंग की धाराओं के तहत मामला बेहद संवेदनशील है। पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी इस पूरे सिंडिकेट की जांच कर रहे हैं। दरगाह में शामिल अज्ञात लोगों की पहचान के लिए भी इनपुट जुटाए जा रहे हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

नागौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 7 टीमें बनाकर अवैध शराब पर छापेमारी

स्मार्ट हलचल

नागौर/ मेड़ता रोड। नागौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशाराम चौधरी के निर्देशन में नागौर जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है तथा 7 अलग-अलग प्रकरण आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज किए गए हैं। यह कार्रवाई जिले में 7 अलग-अलग पुलिस टीमों द्वारा की गई, जिनमें डीएसटी टीम, थाना सदर नागौर, थाना कोतवाली नागौर सहित अन्य पुलिस इकाइयों के कार्मिक शामिल रहे। अभियान का नेतृत्व वृताधिकारी जतिन जैन ने किया।

भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त

अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 2688 पव्वे अवैध देशी एवं अंग्रेजी शराब, 284 बीयर बोतलें तथा 97 बीयर कैन जब्त किए। यह कार्रवाई अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर की गई। इस विशेष अभियान के लिए गठित टीमों में शिवकुमार (थाना सदर नागौर), ओमप्रकाश (थाना सदर नागौर), रामकुमार (थाना सदर नागौर), पुरखाराम, विक्रम सिंह (थाना कोतवाली नागौर), गजेन्द्र सिंह (कोतवाली नागौर) एवं जगदीश कूड़ी सहित अन्य पुलिस कार्मिक शामिल रहे।

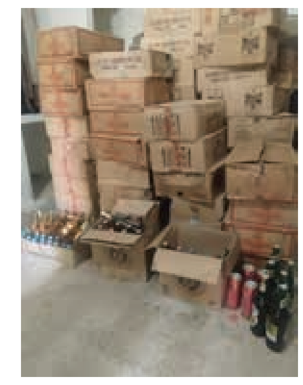

पुलिस द्वारा कार्रवाई के दौरान कई आरोपियों के कब्जे से अवैध शराब बरामद की गई, जिनमें विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग ब्रांड की देशी व अंग्रेजी शराब, बीयर बोतलें एवं कैन शामिल हैं। सभी मामलों में आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस की सख्त चेतावनी

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर लगातार सख्त निगरानी रखी जा रही है और ऐसे मामलों में आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

इस पूरे अभियान के दौरान पुलिस की सात अलग-अलग टीमों ने समन्वित रूप से कार्रवाई करते हुए अवैध शराब कारोबार पर बड़ा प्रहार किया है।

सत्तानशीं विधायक के 'भतीजे' पर खनिज विभाग का बड़ा हंटर

रसूख की आड़ में 1.25 करोड़ का 'खेला', सरकारी जमीन को ही निगल गया खनन माफिया

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा/ बिजोलिया

सूबे की सरकार भले ही 'जीरो टॉलरेंस' के बड़े-बड़े दावे कर ढोल पीट रही हो, लेकिन भीलवाड़ा के बिजोलिया (ऊपरमाल) खनन क्षेत्र से आई एक सनसनीखेज रिपोर्ट ने सत्ताधारी नेताओं की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रसूख और सत्ता के नशे में चूर मांडलगढ़ के भाजपा विधायक गोपाल खंडेलवाल के भतीजे जगदीश चंद्र खंडेलवाल की लीज पर खनिज और राजस्व विभाग ने एक ऐसा तगड़ा शिकंजा कसा है, जिसने क्षेत्र के पूरे सियासी गलियारे में हड़कंप मचा दिया है।

अधिकारियों की संयुक्त टीम ने जब विधायक के भतीजे की लीज पर छापा मारा, तो सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ती मिलीं। टीम ने मौके पर 1 करोड़ 25 लाख रुपए का भारी-भरकम पंचनामा बनाया है।

सत्ता का 'पावर' और करोड़ों का 'डाका': स्वीकृत सीमा लांघ सरकारी भूमि पर कब्जा!

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोली-रसदपुरा क्षेत्र में संचालित इस लीज का मालिकाना हक सीधे तौर पर मांडलगढ़ विधायक के भतीजे जगदीश चंद्र खंडेलवाल के पास है। विभागीय जांच में जो सच सामने आया है, वह चौंकाने वाला है। विधायक के भतीजे ने स्वीकृत लीज सीमा को ठेंगा दिखाते हुए आसपास की कीमती सरकारी (बिलानाम) भूमि पर भी अवैध रूप से कब्जा कर लिया और वहाँ धड़ल्ले से खनन गतिविधियां संचालित कीं।

जैसे ही खनिज और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने मौका-मुआयना किया, विधायक पुत्र और भतीजों के रसूख की हवा निकल गई। अधिकारियों ने बिना किसी दबाव के मौके पर ही सवा करोड़ रुपए से अधिक की अवैध माइनिंग का पंचनामा ठोक दिया।

विपक्ष हमलावर: 'जब सत्ताधारियों का यह हाल, तो बाकी जगह क्यों मेहरबान है प्रशासन?'

इस बड़ी कार्रवाई के बाद बिजोलिया से लेकर भीलवाड़ा के राजनीतिक हलकों में तीखी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। विपक्षी दलों और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने सीधे विधायक गोपाल खंडेलवाल और स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। लोगों का कहना है:

'जब सत्ता पक्ष से सीधे जुड़े और विधायक के सगे भतीजे की लीज पर सवा करोड़ की इतनी बड़ी चोरी पकड़ी जा सकती है, तो फिर क्षेत्र में वर्षों से चल रहे अन्य खूंखार अवैध खनन माफियाओं पर प्रशासन अपनी आंखें क्यों मूंदे बैठा है? क्या सिर्फ एक जगह दिखावे की कार्रवाई कर बाकी बड़े मगरमच्छों को बचाने का खेल चल रहा है?'

एक दर्जन से अधिक गांवों में 'अवैध खनन' का नंगा नाच, मौन बैठी सरकार!

बिजोलिया का ऊपरमाल क्षेत्र इस समय अवैध खनन के नासूर से कराह रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी, बिलानाम और बेशकीमती चारागाह (गौचर) भूमि पर बड़े पैमाने पर सीना तानकर खनिज दोहन किया जा रहा है, जिससे सरकारी खजाने को हर महीने करोड़ों रुपए के राजस्व का चूना लगाया जा रहा है।

क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक संवेदनशील इलाके इस अवैध खेल के मुख्य केंद्र बने हुए हैं:

नयानगर, सुखपुरा, खडीपुर, मोतीपुरा आँट, चंपापुर, भाट खरला, सतकुड़िया बहादुरजी का खेड़ा, राणाजी का गुढ़ा, नीमड़ी गुआ काली घाटी, उदपुरिया और गोविंदपुरा मई-जून में 20 पंचनामे, फिर भी हौसले बुलंद: क्या है इस 'मौन' का राज? अंदरखाने की रिपोर्ट बताती है कि अकेले मई और जून के इस तपते महीने में ही राजस्व, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीमों ने करीब 20 अलग-अलग मामलों में पंचनामे तैयार किए हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि इतनी कागजी कार्रवाई के बाद भी धरातल पर अवैध खनन का यह खूनी सिलसिला थम क्यों नहीं रहा? आखिर इन माफियाओं को किसका अभयदान प्राप्त है?

जनता की हुंकार: पूरे बिजोलिया क्षेत्र का हो 'ड्रोन सर्वे'

विधायक के भतीजे पर हुई इस कार्रवाई ने जनता के सब्र का बांध तोड़ दिया है। अब क्षेत्रवासियों ने आर-पार की लड़ाई का मूड बना लिया है। स्थानीय ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों ने पुरजोर मांग की है कि:

पूरे बिजोलिया खनन क्षेत्र का तत्काल 'ड्रोन सर्वे' करवाया जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

इस पूरे सिंडिकेट की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच हो।

सत्ता के रसूखदारों सहित सभी दोषियों के खिलाफ सिर्फ जुर्माना नहीं, बल्कि सीधे क्रिमिनल केस दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।

अब देखना यह है कि अपनी ही पार्टी के विधायक के परिवार पर लगे इस 'दाग' के बाद सूबे के मुख्यमंत्री और खनिज मंत्री क्या कड़ा कदम उठाते हैं, या फिर हमेशा की तरह मामले को रसूख की फाइलों के नीचे दबा दिया जाएगा।

आरपीएससी ने लेक्चरर-कोच परीक्षा की मॉडल उत्तर कुंजियां जारी कीं, वरिष्ठ अध्यापक संस्कृत की मुख्य सूची भी आई

स्मार्ट हलचल

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने लेक्चरर एंड कोच (माध्यमिक शिक्षा विभाग) परीक्षा-2025 के छह विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियां जारी कर दी हैं। वहीं वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के संस्कृत विषय की मुख्य सूची भी जारी की गई है। दोनों से संबंधित विस्तृत जानकारी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

लेक्चरर एंड कोच परीक्षा-2025 की मॉडल उत्तर कुंजियां जारी

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि लेक्चरर एंड कोच (माध्यमिक शिक्षा विभाग) परीक्षा-2025 के अंतर्गत जनरल अवेयरनेस एंड जनरल साइंस (ग्रुप-ए), हिंदी, इतिहास, अंग्रेजी, कॉमर्स एवं केमिस्ट्री विषयों की मॉडल उत्तर कुंजियां जारी कर दी गई हैं। यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर आपत्ति है, तो वह 6 से 8 जून 2026 की रात 12 बजे तक निर्धारित शुल्क के साथ ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करा सकता है। अभ्यर्थियों को आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रम के अनुसार ही दर्ज करनी होंगी। आपत्ति के साथ प्रामाणिक एवं मानक पुस्तकों के प्रमाण संलग्न करना अनिवार्य होगा। प्रमाण के अभाव में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। आयोग ने प्रति प्रश्न 100 रुपये (सेवा शुल्क अतिरिक्त) आपत्ति शुल्क निर्धारित किया है। शुल्क का भुगतान एसएसओ पोर्टल के माध्यम से किया जा सकेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि आपत्ति शुल्क वापस नहीं किया जाएगा तथा केवल ऑनलाइन प्राप्त आपत्तियों पर ही विचार किया जाएगा।

संस्कृत विषय की मुख्य सूची जारी

इसके साथ ही आयोग ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के संस्कृत विषय की मुख्य सूची भी जारी कर दी है। आयोग सचिव के अनुसार विचारित सूची में शामिल अभ्यर्थियों की पात्रता जांच और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया संबंधित विभाग द्वारा पूरी की गई। जांच के बाद विज्ञापित पदों के विरुद्ध 308 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है। आयोग ने अभ्यर्थियों से संबंधित जानकारी और परिणाम देखने के लिए आधिकारिक वेबसाइट का अवलोकन करने की अपील की है।

दीवार के सहारे मकान में मिला युवक का शव

जननायक | चित्तौड़गढ़। चंदेरिया थाना क्षेत्र की गवारिया बस्ती में शनिवार सुबह एक व्यक्ति का शव उसके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला, जिसके शरीर पर मिले खून के निशानों से उसकी हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है। जानकारी के अनुसार गवारिया मोहल्ला चंदेरिया में रहने वाली महिला को सफाईकर्मी ने बताया कि पास में रहने वाले जसवंत (40) पुत्र सुखलाल गवारिया के मकान का दरवाजा खुला है और उसमें गाय घुस गई है। इस पर महिला घर में गई, जहां जसवंत दीवार और फ्रिज के सहारे बैठी अवस्था में बैठा दिखाई दिया। उसके शरीर पर खून के निशान देख कर महिला ने शोर मचाया।

राजस्थान में डॉग बाइट का बढ़ता खतरा

5 साल में 18.42 लाख लोग बने शिकार, हर साल 4 लाख मामले

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान में आवारा कुत्तों का बढ़ता आतंक अब गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है। राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत संकलित आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच वर्षों में राज्य में 18.42 लाख से अधिक लोग डॉग बाइट का शिकार हुए हैं। चिंताजनक बात यह है कि बीते तीन वर्षों से हर साल 4 लाख से ज्यादा मामले दर्ज हो रहे हैं, जिससे स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2021-22 में डॉग बाइट के 88,259 मामले दर्ज हुए थे, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 5,93,999 तक पहुंच गए। यानी पांच वर्षों में मामलों में करीब 573 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़ा न केवल आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या की ओर इशारा करता है, बल्कि नियंत्रण और रोकथाम उपायों की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े करता है।

राज्य में डॉग बाइट के मामलों में लगातार वृद्धि देखने को मिली है। वर्ष 2022-23 में 2.78 लाख, 2023-24 में 4.27 लाख और 2024-25 में 4.60 लाख मामले सामने आए। वर्ष 2025-26 में यह आंकड़ा करीब 6 लाख तक पहुंच गया। कुल मिलाकर पांच वर्षों में 18,42,617 मामले दर्ज किए गए हैं। राजस्थान में डॉग बाइट के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2021-22 में राज्य में 88,259 मामले सामने आए थे। इसके बाद 2022-23 में यह संख्या बढ़कर 2,78,244 हो गई। वर्ष 2023-24 में 4,27,806 मामले दर्ज हुए, जबकि 2024-25 में यह आंकड़ा 4,60,309 तक पहुंच गया। वर्ष 2025-26 में डॉग बाइट के 5,93,999 मामले दर्ज किए गए। इस तरह पिछले पांच वर्षों में राज्य में कुल 18,42,617 लोग डॉग बाइट का शिकार हुए हैं।

अलवर सबसे ऊपर, जयपुर पांचवें स्थान पर

वर्ष 2025-26 में डॉग बाइट के मामलों में अलवर सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा, जहां 47,910 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद श्रीगंगानगर में 38,331, बीकानेर में 35,796, डीग में 34,087 और जयपुर में 33,595 मामले सामने आए। वहीं धौलपुर में 32,688, बीवर में 29,430, कोटा में 29,173, हनुमानगढ़ में 27,184 तथा भीलवाड़ा में 23,858 डॉग बाइट के मामले दर्ज किए गए। ये जिले वर्ष 2025-26 में डॉग बाइट की घटनाओं के लिहाज से राज्य के शीर्ष 10 जिलों में शामिल रहे। वर्ष 2025-26 में डॉग बाइट के मामलों में अलवर राज्य में सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा, जहां 47,910 मामले दर्ज हुए। इसके बाद श्रीगंगानगर, बीकानेर, डीग और जयपुर का स्थान रहा।

बड़े शहर भी नहीं सुरक्षित

राजधानी जयपुर में 33,595 मामले दर्ज हुए, जबकि अजमेर में 20,765, कोटा में 29,173, भीलवाड़ा में 23,858 और चूरू में 23,353 मामले सामने आए। अलवर, श्रीगंगानगर, धौलपुर, डीग, बीकानेर और हनुमानगढ़ जैसे जिलों में भी लगातार उच्च संख्या चिंता बढ़ा रही है।

रेबीज का खतरा बढ़ा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि डॉग बाइट के बाद समय पर उपचार और एंटी-रेबीज वैक्सीन नहीं लगने पर रेबीज जैसी घातक बीमारी का खतरा रहता है। इसलिए किसी भी कुत्ते के काटने की घटना को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

खारी का लाम्बा गांव में मुख्यमंत्री का प्रातः भ्रमण, जनसंवाद और सौगातों का बना माध्यम, रात को चौपाल में घोषणाएं, सुबह आदेश जारी

107 साल की कुमकुम देवी और 102 साल के ओंकार तेली ने मुख्यमंत्री शर्मा को दिया आशीर्वाद, युवाओं संग किया योगाभ्यास व पौधरोपण

त्वरित एक्शन: ग्राम विकास चौपाल की घोषणाओं पर सुबह ही जारी हुए नए कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय, पद सृजन और स्कूल में विज्ञान संकाय खोलने के ऑर्डर

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा/ जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा के खारी का लाम्बा गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार को प्रातः भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने गांव के बुजुर्गों, जिनमें विशेषकर 107 वर्ष की कुमकुम देवी और 102 वर्ष के ओंकार तेली से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, दिनचर्या एवं जीवन के अनुभवों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री का अपनापन देखकर बुजुर्गों ने भी उनके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान घर-घर जाकर ग्रामीणों से हालचाल जाने और बच्चों को दुलार करते हुए चॉकलेट वितरित की। उन्होंने गांव के रघुनाथ मंदिर और हनुमान मंदिर में दर्शन भी किए। वहीं, फूल सागर तालाब किनारे योग कर रहे युवाओं के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया और श्रमदान के साथ तालाब के सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने शीशम का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए गांव की आवश्यकताओं और विकास कार्यों पर विस्तार से बातचीत की। ग्रामीणों की मांगों पर संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने उप स्वास्थ्य केंद्र को क्रमोन्नत कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने तथा खेल मैदान विकसित करने की घोषणा की। खारी का लाम्बा गांव में शुक्रवार रात आयोजित ग्राम विकास चौपाल में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नए कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय की स्थापना, कृषि पर्यवेक्षक पद के सृजन तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त संकाय विज्ञान (जीव विज्ञान) एवं कृषि विज्ञान प्रारंभ करने के आदेश शनिवार सुबह ही ग्रामीणों को मिल गए। घोषणाओं के शीघ्र क्रियान्वयन पर ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री का आभार जताया और उनकी संवेदनशील कार्यशैली की जमकर सराहना की। इस दौरान प्रातः भ्रमण और जनसंवाद में उप-मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, विधायक जब्बर सिंह सांखला, लालाराम बैरवा, गोपीचंद मीणा, जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा, पुलिस महानिरीक्षक राजेंद्र सिंह, संभागीय आयुक्त शक्तिसिंह राठौड़, जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, पुलिस अधीक्षक सागर राणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में गायब, पीहर पक्ष ने जताई हत्या की आशंका

एसपी से निष्पक्ष जांच की मांग

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के बालापुरा गांव से एक विवाहिता के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता की मां ने अपने परिवार सहित शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर अपनी बेटी की हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

भगवानपुरा निवासी प्रार्थिया शांति देवी पत्नी उदय राम माली ने एसपी को दी रिपोर्ट में बताया कि उसकी पुत्री माया का नाता विवाह करीब 15-16 वर्ष पूर्व बालापुरा निवासी प्रभु लाल माली के साथ हुआ था। शादी के बाद से ही पति प्रभु लाल उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था और मारपीट कर पैसों की मांग करता था। गत 3 जून को पीहर पक्ष को सूचना मिली कि माया सुबह से ही घर से गायब है। जब विवाहिता के परिजन बालापुरा पहुंचे तो वहां पति प्रभु लाल, ससुर रामेश्वर, भंवरी देवी, उदय लाल व राजू लाल का व्यवहार बेहद संदिग्ध लगा और उन्हें माया के लापता होने का कोई दुख नहीं था।

हैरानी की बात यह है कि जब परिजनों ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखनी चाही, तो ससुराल पक्ष ने आनाकानी करते हुए कैमरे खराब होने का बहाना बना दिया। वहीं, विवाहिता की 11 वर्षीय पुत्री खुशी ने अपने मामा को रोते हुए बताया कि उसके पापा आए दिन मम्मी के साथ बेरहमी से मारपीट करते थे और बीच-बचाव करने पर बच्चों को भी मारते थे। पीहर पक्ष का आरोप है कि माया का पति शराब के नशे में धुत रहता था और उसने ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के साथ मिलकर किसी गंभीर वारदात को अंजाम दिया है। परिजनों ने आशंका जताई है कि माया की हत्या कर साक्ष्यों से छेड़छाड़ की गई है और अब गुमशुदगी का झूठा नाटक रचा जा रहा है। पीड़िता की मां ने मांडल थाने में दर्ज एमपीआर संख्या 37/2026 की जांच किसी उच्च अधिकारी से करवाकर न्याय की गुहार लगाई है।

सड़क निर्माण कार्य अधर में लटका, खातेदारी जमीन बनी रोड़ा

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

उपखण्ड सर्किल के खातन खेड़ी गांव से निम्बाहेडाखुर्द तक की तीन किलोमीटर सडक निर्माण रास्ते में खातेदारी जमीन आने की वजह से सडक निर्माण का कार्य चार माह से अधर में लटका पडा हुआ है। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है।

उपरेडा ग्राम पंचायत के खातन खेड़ी गांव से निम्बाहेडाकला पंचायत के निम्बाहेडाखुर्द गांव को जोड़ने वाले तीन किलोमीटर रास्ते पर लगभग 60 लाख की लागत से (मिसिंग लिंक नॉन पैचेबल) सडक स्वीकृत है। जिसमें से दो किलोमीटर तक सडक निर्माण कार्य हो चुका है। शेष सडक निर्माण कार्य खातेदारी जमीन के साथ ही खातनखेडी गांव में आबादी क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण अटका हुआ। सडक निर्माण के लिए खुदाई कर देने रास्ते में जगह जगह पर पानी के जमा हो जाने के कारण यहाँ पर से निकलने निकलने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शिघ्र सडक निर्माण कार्य को पूरा करवाने की मांग की है।

वर्ल्ड स्कूल बास्केटबॉल टीम में भीलवाड़ा के शानी गोरी का चयन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के होनहार बास्केटबॉल खिलाड़ी मो. शानी गोरी का चयन भारतीय वर्ल्ड स्कूल बास्केटबॉल टीम में हुआ है। यह टीम 16 जून से 22 जून तक ज़्लातिबोर में आयोजित होने वाली विश्व स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। शानी इससे पहले मालदीव में आयोजित साउथ एशियन बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे, जहां भारत ने फाइनल में मालदीव को हराकर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। इसके बाद उन्होंने मंगोलिया में आयोजित फीबा एशिया प्रतियोगिता में भी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और शानदार प्रदर्शन किया। हाल ही में आयोजित जूनियर नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भी शानी ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। शानी के चयन से भीलवाड़ा के बास्केटबॉल परिवार एवं खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। जिला बास्केटबॉल संघ के सचिव प्यारे लाल खोईवाल एवं अध्यक्ष अजय भंडारी ने शानी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मोहित भंडारी, शिव खोईवाल, लोकेश खोईवाल एवं देवेंद्र खोईवाल ने भी शानी को शुभकामनाएं दीं। स्टेडियम टेक्निकल कमेटी के चेयरमैन रणजीत खोईवाल सहित जसवंत खोईवाल, शिव बैरवा, सिद्धार्थ सिंघवी, राहुल जयसवाल, नीरज शर्मा एवं अभि जैन ने भी शानी के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें विश्व प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। शानी का यह चयन भीलवाड़ा जिले के लिए गर्व का विषय है और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा।

अघोषित बिजली कटौती, बार-बार फॉल्ट और बिगड़ी व्यव-स्था से जनता परेशान, शिकायत दर्ज नहीं होने का आरोप

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा (भीलवाड़ा)। शाहपुरा-शहर में लगातार हो रही घोषित एवं अघोषित बिजली कटौती, बार-बार आने वाले फॉल्ट तथा चरमराई विद्युत व्यवस्था को लेकर आमजन में भारी रोष व्याप्त है। बिजली की समस्या से परेशान होकर शाहपुरा के कई गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए पावर हाउस पहुंचे, लेकिन वहां शिकायतों का उचित पंजीकरण नहीं होने का आरोप लगाया गया।

सुरेंद्र सिंह राणावत ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर में पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। बार-बार फॉल्ट होने के कारण घंटों तक बिजली गुल रहती है, जिससे आमजन, व्यापारियों, विद्यार्थियों तथा किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

उन्होंने बताया कि पावर हाउस पहुंचे नागरिकों ने आरोप लगाया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना गया तथा शिकायतों को विधिवत दर्ज करने में भी उदासीनता बरती गई। लोगों का कहना है कि शिकायत दर्ज कराने के बावजूद समाधान नहीं हो रहा है, जिससे जनता में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

नागरिकों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए, बार-बार आने वाले फॉल्ट की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

सुरेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि यदि शीघ्र ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और आमजन की शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं की गई तो जनता को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से शहर की विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

6 महीने से गंदा पानी पीने को मजबूर लोग, टूटी पाइपलाइन बनी परेशानी का कारण

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। कस्बे के सदर बाजार क्षेत्र में पिछले छह माह से पेयजल संकट बना हुआ है।सहकारी समिति के सामने जलापूर्ति लाइन का वॉल क्षतिग्रस्त होने से घरों तक गंदा और दूषित पानी पहुंच रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद विभाग केवल अस्थायी मरम्मत कर औपचारिकता निभा रहा है।ग्रामीण सुनीतादेवी,संगीतादेवी ने बताया कि विभाग द्वारा दो बार प्लास्टिक पाइप लगाकर मरम्मत की गई,लेकिन भारी वाहनों की आवाजाही के कारण पाइप बार-बार टूट जाता है।इससे मिट्टी और गंदगी पेयजल लाइन में मिल रही है तथा लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है।क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि क्षतिग्रस्त स्थान पर मजबूत लोहे की पाइप लगाकर स्थायी समाधान किया जाए।लोगों ने चेतावनी दी है कि जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर विभाग के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।ग्रामीणों का कहना है कि स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शक्करगढ़ की जिया टेलर ने रचा इतिहास, पूरे राजस्थान में रही प्रथम

स्मार्ट हलचल

शक्करगढ़। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति (हस्स्स्) परीक्षा-2026 में क्षेत्र की

होनहार बेटी ने समूचे राजस्थान में शीर्ष स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय शक्करगढ़ की प्रतिभावान छात्रा जिया टेलर पुत्री मुकेश कुमार दर्जी ने इस परीक्षा में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय, परिवार और भीलवाड़ा जिले का नाम रोशन किया है। जिया की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

यह प्रतिष्ठित परीक्षा ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होती है। जिया की सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकों और ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वक्ताओं ने कहा कि जिया की मेहनत, लगन और अनुशासित अध्ययन का ही यह सुखद परिणाम है।

गौरतलब है कि इस छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत चयनित मेधावी विद्यार्थियों को केंद्र सरकार द्वारा कक्षा 9 से 12वीं तक प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस प्रकार विद्यार्थियों को चार वर्षों में कुल 48 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलती है, जिससे उनकी उच्च शिक्षा को संबल मिलता है। जिया की इस सफलता से अन्य ग्रामीण छात्र-छात्राओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

सीएस आजाद नगर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अधिक मास पर धार्मिक एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित

भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से भक्तिमय हुआ माहौल, गौशाला में किया लापसी व हरे चारे का वितरण

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। चन्द्र शेखर आजाद नगर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा पवित्र अधिक मास के पावन अवसर पर स्थानीय श्री सीताराम गौशाला में एक विशेष धार्मिक एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान गौमाता की सेवा के साथ ही प्रभु भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। महिला मंडल की अध्यक्ष चंदा जागेटिया एवं सचिव ललिता राठी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री राम और श्री कृष्ण की महाआरती के साथ की गई। इसके पश्चात् गौशाला में निवास कर रही गौमाताओं को अत्यंत श्रद्धाभाव के साथ लापसी का भोग लगाया गया एवं हरा चारा खिलाकर पुण्य लाभ कमाया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने सुमधुर भजनों की बहार पेश की, जिससे संपूर्ण गौशाला परिसर भक्ति के रंग में सराबोर हो गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चन्द्र शेखर आज़ाद नगर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष कमलेश काबरा और सचिव अश्विन तोतला का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ। साथ ही माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष अंकित सोमानी और सचिव शुभम् सोमानी भी उपस्थित रहे। महिला मंडल द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मंडल की सक्रिय सदस्य कल्पना माहेश्वरी, शिल्पा बसेर, सुनीता जागेटिया, रेखा हेडा, पार्वती पटवारी, सुमन अजमेरा, अनीता लढा, अंजना, कांता, बसंता बाहेती सहित संगठन की कई प्रबुद्ध महिलाओं का विशेष और सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

जनसहयोग से बन रहा भगवान चारभुजा नाथ का भव्य मंदिर

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। झोपड़ियां गांव में ग्रामीणों की आस्था और एकजुटता का अनूठा उदाहरण देखने को मिल रहा है।करीब 200 परिवारों की आबादी वाले गांव में केवल जनसहयोग से लगभग एक करोड़ रुपए की लागत से भगवान श्री चारभुजा नाथ का भव्य मंदिर निर्माणाधीन है। मंदिर के लिए प्रत्येक परिवार हर दो माह में 5 हजार रुपए का सहयोग दे रहा है।ग्रामीण दिनेश सिंह हाड़ा ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष से ग्रामीण नियमित आर्थिक सहयोग कर रहे हैं,जिससे अब तक करीब 45 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। मंदिर को 31म55 फीट क्षेत्रफल में पारंपरिक स्थापत्य शैली के अनुरूप बनाया जा रहा है। निर्माण में धौलपुर के विशेष पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है।ग्रामीणों के अनुसार मंदिर निर्माण कार्य को पूर्ण होने में अभी लगभग एक वर्ष का समय लगेगा।गांव के लोग तन,मन और धन से सहयोग कर रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि यह मंदिर आस्था के साथ-साथ गांव की एकता, सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक बनेगा।इस अवसर पर पुजारी गोकुलदास वैष्णव,स्वरूप सिंह चौहान,करणसिंह हाड़ा,संकेत देवासी,मनोहर सिंह रावत सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

बाबु सिंह राणावत का अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान के प्रदेश युवा संरक्षक मनोनीत होने पर समाज बंधुओं ने किया भव्य स्वागत

स्मार्ट हलचल

गुरला। अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान के प्रदेश युवा संरक्षक मण्डल में बाबु सिंह राणावत मनोनीत होने पर समाज बंधुओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस गौरवमयी नियुक्ति पर समाज में हर्ष की लहर है। आगमन पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, युवाओं और प्रबुद्ध जनों ने साफा पहनाकर, और का आत्मीय स्वागत किया।

इन प्रमुख समाज बंधुओं ने किया सम्मानःकार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से संस्थान के प्रदेश युवा अध्यक्ष कांता कंवर कारोई सहसचिव भगवती कंवर सांखला नारी शक्ति सेवा संस्थान की जिला अध्यक्ष मंजू कंवर पूर्व जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट उदय सिंह कारोई तथा अन्य कई गणमान्य नागरिकों और मातृशक्ति ने उपस्थित रहकर मान-सम्मान बढ़ाया और बधाई प्रेषित की।

हुरड़ा तहसील माहेश्वरी सभा के निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न, अरविन्द सोमानी बने अध्यक्ष, मंत्री बने अशोक अजमेरा

स्मार्ट हलचल | गुलाबपुरा

हुरड़ा तहसील माहेश्वरी सभा के निर्वाचन सर्वसम्मति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए। सभा के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन होने से समाजजनों में हर्ष का माहौल रहा। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत अरविन्द कुमार सोमानी को अध्यक्ष एवं अशोक अजमेरा को मंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। साथ ही उपाध्यक्ष रामगोपाल काहल्या, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण तोषनीवाल, संगठन मंत्री राधेश्याम जागेटिया, संयुक्त मंत्री अशोक कुमार डाड व जिला प्रतिनिधि के रूप में बसन्तीलाल काल्या, दिनेश तोषनीवाल, शिवकुमार काष्ट, संजय राठी, मुकेश काहल्या एवं बालकृष्ण झंवर का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। साथ ही हुरडा तहसील माहेश्वरी सभा के संरक्षक बसन्तीलाल काल्या ने सभी को बधाई देते हुए समाज हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में माहेश्वरी समाज संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत होगा तथा समाजहित के कार्यों को नई गति मिलेगी। निर्वाचन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने में चुनाव अधिकारी राजेंद्र प्रसाद बिड़ला, कृष्ण गोपाल राठी एवं रामकिशन सोनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं जिला पर्यवेक्षक प्रमोद डाड एवं अशोक बिड़ला के मार्गदर्शन में पूरी चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई।

साथ ही नगरपालिका गुलाबपुरा निवर्तमान चेयरमैन सुमित काल्या ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला साफा पहनाकर बधाई दी। समाजजनों ने नवनिर्वाचित टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए चुनाव अधिकारियों एवं जिला पर्यवेक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज के विकास, एकता एवं संगठन को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ सभी ने मिलकर समाजहित में कार्य करने का विश्वास जताया।

हुरडा तहसील माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष शिवकुमार लड्डा ने आभार व्यक्त किया। साथ ही उक्त कार्यक्रम में संरक्षक बसन्तीलाल काल्या, जिला संयुक्त मंत्री दिनेश तोषनीवाल, सत्यनारायण तोषनीवाल, सूरजकरण लड्डा, कृष्ण कुमार गगड, मनोज तोषनीवाल, शिवकुमार काष्ट, कृष्णगोपाल कोगटा, दीपक ईनाणी, सत्यनारायण लड्डा, राधेश्याम नौलखा, हनुमान प्रसाद, कैलाश लड़ा, शिवप्रसाद पोरवाल, बालमुकुंद मोदी, विनोद कुमार जैतलिया, सत्यनारायण काष्ट, सुनील तोषनीवाल, संजय राठी, रामप्रसाद भूतडा, रामकिशोर चंडक, राधेश्याम ईनाणी, गोपाल काल्या, शांतिलाल जागेटिया, राधेश्याम जागेटिया, गोवर्धनलाल अजमेरा, अशोक अजमेरा, दुर्गालाल मालपानी, महेंद्रकुमार सोनी, रामकुमार सोमानी, रामगोपाल सोमानी, रामगोपाल काहल्या, मुकेश काहल्या, प्रदीप कुमार सोनी, कैलाशचंद्र सोनी, केदारमल सोमानी, राधेश्याम काष्ट, विष्णु कुमार असावा, केदारमल लड़ा, अशोक कुमार डाड, सत्यनारायण डाड, बालकिशन झंवर, राजेश नवाल, गोवर्धन लाल सोडाणी, गणेश काबरा, कैलाशचंद्र लड़ा, अनिल कुमार लड्डा, अशीष लड्डा आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एडवोकेट केदार जागेटिया अध्यक्ष, सुरेश बिरला मंत्री निर्विरोध निर्वाचित

श्रीनगर सभा भीलवाड़ा के अधिकांश पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर हुआ चुनाव

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्रीनगर सभा भीलवाड़ा के चुनाव शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए। सभा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं संयुक्त मंत्री पदों पर प्रत्याशियों का सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचन किया गया। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया आयोजित की गई। जिसमे समाज के वरिष्ठ जन राधेश्याम चेचानी, कैलाश कोठारी, जगदीश कोगटा, राधेश्याम सोमाणी, अनिल बांगड़, सुरेश कचोलिया, अशोक बाहेती, रमेश राठी सहित विभिन्न अध्यक्ष मंत्री व समाजजनो का सहयोग रहा। मुख्य चुनाव अधिकारी रतन लाल मंडोवरा की देखरेख में संपन्न हुई प्रक्रिया में समाजबंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मिडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने बताया कि चुनाव में अधिकांश पदों पर एक-एक नामांकन प्राप्त होने से संबंधित पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। जिसमे केदार जागेटिया अध्यक्ष, सुरेश बिरला मंत्री, उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल राठी, सुनील कुमार बियानी, विनय माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष गोपाल नरानीवाल, संगठन मंत्री प्रमोद डाड, संयुक्त मंत्री मनोहर अजमेरा, दिनेश कुमार हेड़ा, रामकृष्ण पोरवाल निर्विरोध निर्वाचित हुए। साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अभिजीत सारडा व प्रह्लाद नुवाल के बीच मुकाबला होने के कारण मतदान कराया गया जिसमे वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर प्रह्लाद नुवाल विजय घोषित हुए। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशी के समर्थकों ने हर्ष व्यक्त किया। इसके बाद सभा परिसर में खुशी का माहौल रहा तथा समाजजनों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाजजनों का आभार जताते हुए कहा कि वे सभा की परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक एकता, युवा सहभागिता एवं समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने सभी सदस्यों को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

देवनारायण मंदिर पर बगड़ावट कथा का आयोजित

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे के चितौड़िया ग्रामवासी द्वारा श्री देवनारायण मंदिर पर शुक्रवार रात को बगड़ावट कथा का आयोजन किया गया। बगड़ावट कथा के कलाकारों ने 4 बजे तक चली कथा में सभी श्रद्धालुओं ने कथा का आनंद लिया सभी कथा कलाकारों ने एक से बढ़कर एक कथा की प्रस्तुति दी। सुबह 4 बजे देवनारायण की पूजा अर्चना के साथ ही भोग लगाकर प्रसाद बांटा गया। देवनारायण मंदिर में बगड़ावट कथा का आयोजन हुआ, और भगवान के कथा पर भक्तों ने नृत्य भी किया।

देवनारायण की विशेष आरती की गई और मंदिर में सजावट की गई। इस दौरान बगड़ावट कथा का आयोजन हुआ। आयोजित बगड़ावट कथा में बाबू खां पार्टी ने भक्ति रस से ओतप्रोत भजन गाए। इस अवसर पर आयोजित बगड़ावट कथा पर ग्रामीणों ने सभी कथा कलाकारों का माला पहना कर स्वागत किया गया।

राजस्थान पुलिस की 'ताबड़तोड़' कार्रवाई, एक दिन में ही हज़ारों वाहन 'ऑन-द-स्पॉट' सीज़- लाइसेंस सस्पेंड

स्मार्ट हलचल

जयपुर। राजस्थान की सड़कों को सुरक्षित और दुर्घटनामुक्त बनाने के लिए राजस्थान पुलिस इन दिनों पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रही है। राजधानी जयपुर सहित राज्य के सभी 50 जिलों के छोटे-बड़े शहरों, कस्बों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात पुलिस ने एक साथ विशेष चेकिंग अभियान छेड़ दिया है। यह अभियान 5 जून 2026 से शुरू होकर पूरे महीने यानी 30 जून 2026 तक लगातार जारी रहेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर अनुशासन कायम करना और उन रसूखदार या लापरवाह वाहन चालकों को कड़ा संदेश देना है जो नियमों को ताक पर रखकर सड़कों पर गाड़ियां दौड़ाते हैं।

महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के कड़े दिशा-निर्देशों के बाद अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (यातायात) डॉ. बी.एल. मीणा के सीधे पर्यवेक्षण में इस प्रदेशव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान के प्रारंभिक 3 दिनों में पुलिस ने सीधे कार्रवाई करने के बजाय एक जिम्मेदार मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। इन 3 दिनों के दौरान वाहन चालकों, गैरेज स्वामियों और आम नागरिकों को नए नियमों, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट और अवैध मॉडिफिकेशन के नुकसानों के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया। लेकिन जैसे ही यह शुरुआती समझाइश का दौर समाप्त हुआ, पुलिस ने नियम तोड़ने वालों के खिलाफ धरातल पर ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी।

पहले ही दिन 4,869 वाहनों पर एक्शन

एडीजी (यातायात) डॉ. बी.एल. मीणा ने अभियान के प्रथम दिन के आधिकारिक आंकड़े जारी करते हुए बताया कि राज्यभर के विभिन्न संभागों और जिलों में कुल 48 69 वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने इस बार अपनी जांच को 6 मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया है, जो आमतौर पर सड़क दुर्घटनाओं या सामाजिक अशांति का मुख्य कारण बनती हैं।

इन आंकड़ों का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार है

काली फिल्म (•द्यड्डष्द्म स्नद्बद्यद्व): राज्यभर में सबसे ज्यादा कार्रवाई वाहनों के शीशों पर निर्धारित मानकों से अधिक काली फिल्म या अन्य अपारदर्शी सामग्री लगाने वालों पर हुई। पहले ही दिन ऐसे 2246 वाहनों को चिन्हित कर उनके खिलाफ चालान किया गया और मौके पर ही फिल्म हटवाई गई। फर्जी, अपठनीय, टूटी-फूटी या स्टिकर लगाकर नंबरों को छुपाने वाले 1372 वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। परिवर्तन कंपनी के मूल विनिर्देशों को बदलकर साइलेंसर, टायर या बॉडी चेंज कराने वाले 512 वाहनों को पकड़ा गया। नंबर प्लेट या गाड़ी की बॉडी पर पद, जाति, धर्म या किसी भी प्रकार के अनाधिकृत शब्द और स्टिकर लगाने वाले 313 वाहन पुलिस की रडार पर आए। सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना वीआईपी बनने के चक्कर में गाड़ी पर लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट या हूटर का उपयोग करने वाले 214 वाहनों को पकड़ा गया। ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले और निर्धारित मानकों से तेज आवाज करने वाले प्रेशर हॉर्न के उपयोग में संलिप्त 212 वाहनों पर कानूनी गाज गिरी।

चेसिस, बॉडी या साइलेंसर बदला तो सीधे सीज़ होगी गाड़ी

यातायात पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी प्रकार के वाहन की मूल संरचना, बॉडी या चेसिस में ऐसा कोई भी बदलाव कानूनन पूरी तरह प्रतिबंधित है, जिससे उस वाहन के पंजीकरण प्रमाण-पत्र ('ष्ट) में दर्ज मूल विवरण प्रभावित होता हो। युवा वर्ग में आमतौर पर अपनी मोटरसाइकिल या कार को आकर्षक बनाने के लिए उसके टायर चौड़े कराने, बॉडी किट बदलने, या आयामों में हेरफेर करने का एक नया चलन देखा गया है, जो अब सीधे तौर पर भारी जुर्माने का कारण बनेगा। पुलिस ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि वाहन का प्रकार, उसकी सीटिंग क्षमता, मूल रंग, आयाम अथवा निर्माता कंपनी द्वारा अनुमोदित विनिर्देशों से भिन्न कोई भी संरचनात्मक परिवर्तन पूरी तरह से अवैध श्रेणी में माना जाएगा। विशेष रूप से बुलेट या अन्य हैवी बाइक्स में तेज आवाज करने वाले या पटाखे छोड़ने वाले साइलेंसर लगाने वालों के खिलाफ पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। ऐसे वाहनों को न केवल 'ऑन-द-स्पॉट' सीज़ किया जा रहा है, बल्कि गैरेज संचालकों को भी ऐसे मॉडिफिकेशन न करने की सख्त हिदायत दी जा रही है।

सड़कों पर बेवजह रौब झाड़ने या वीआईपी दिखने की चाहत रखने वाले लोगों पर भी इस अभियान के तहत बड़ी चोट की जा रही है। किसी भी निजी या वाणिज्यिक वाहन पर सक्षम प्राधिकारी की लिखित और वैध अनुमति के बिना लाल या नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट, बीकन लाइट या हूटर लगाना अब भारी पड़ रहा है। पुलिस टीमें नाकेबंदी के दौरान ऐसी अनाधिकृत बत्तियों और तेज ध्वनि वाले प्रेशर हॉर्न या एयर हॉर्न को वाहनों से मौके पर ही मैकेनिक की मदद से उतरवा रही हैं और उन्हें जब्त कर नष्ट करने की प्रक्रिया अपना रही हैं।

ड्राइविंग लाइसेंस भी होगा अयोग्य:

यातायात विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ये तेज ध्वनि उपकरण और फ्लैशर लाइटें न केवल ध्वनि प्रदूषण का कारण बनती हैं, बल्कि रात के समय सामने से आ रहे अन्य वाहन चालकों की आंखों को चौंधियाकर गंभीर सड़क हादसों को भी आमंत्रण देती हैं। इस बार केवल आर्थिक जुर्माना (चालान) करके वाहनों को नहीं छोड़ा जा रहा है, बल्कि संबंधित वाहन चालक का ड्राइविंग लाइसेंस (ष्ठह्ल्द्ब1द्बठ्ठद्द स्र्ष्द्गठ्ठह्यद्ग) तुरंत तीन महीने के लिए निलंबित करने या स्थायी रूप से निरस्त करने की विधिक कार्रवाई भी साथ-साथ अमल में लाई जा रही है।

अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और वाहनों की पहचान को पारदर्शी बनाने के लिए वाहनों के शीशों पर लगी काली फिल्म के खिलाफ विशेष चेकिंग दस्ते बनाए गए हैं। परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार, कार के शीशों पर विजिबिलिटी के तय मानकों का पालन करना अनिवार्य है। तय सीमा से अधिक गहरी काली फिल्म या अन्य अपारदर्शी सामग्री पाए जाने पर भारी चालान का प्रावधान है। इसके अलावा, वाहन की बॉडी या नंबर प्लेट पर किसी भी प्रकार के अनाधिकृत शब्द, चिन्ह, स्टिकर या राजनीतिक-सामाजिक मोनोग्राम प्रदर्शित करने पर भी तत्काल पाबंदी लगा दी गई है।

77 लाख के गबन के आरोपी लिपिक को हाईकोर्ट से झटका, बर्खास्तगी फिर हुई बहाल

फर्जी बिलों से न्यायालय को लगाया था 77 लाख का चूना

स्मार्ट हलचल

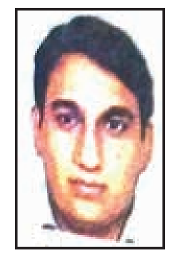

भीलवाड़ा। जिला न्यायालय में फर्जी बिलों के जरिए करीब 77 लाख रुपये के गबन के बहुचर्चित मामले में आरोपी लिपिक देवेन्द्र कुमार जोशी को बड़ा झटका लगा है। राजस्थान उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने उसकी बर्खास्तगी पर लगी रोक को स्थगित कर दिया है, जिसके बाद जिला एवं सेशन न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अभय जैन ने पूर्व में जारी बर्खास्तगी आदेश को पुनः प्रभावी करते हुए जोशी को सेवा से बर्खास्त रखने तथा तत्काल प्रभाव से पदमुक्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार जिला न्यायालय में कार्यरत लिपिक देवेन्द्र कुमार जोशी के खिलाफ फर्जी बिलों के माध्यम से लगभग 77 लाख रुपये के गबन का गंभीर मामला सामने आया था। मामले की जांच के लिए गठित हाईपावर कमेटी ने जांच के बाद जोशी को दोषी पाया था। इसके आधार पर जिला न्यायाधीश अभय जैन ने 28 अगस्त 2025 को उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया था।

सिंगल बेंच से मिली थी राहत, रायपुर न्यायालय में हुआ था पदस्थापन

बर्खास्तगी के आदेश को चुनौती देते हुए देवेन्द्र कुमार जोशी ने राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इस पर 19 मई 2026 को उसे अंतरिम राहत मिल गई थी और बर्खास्तगी आदेश पर स्थगन लगा दिया गया था। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद जोशी को पुनः सेवा में बहाल कर उसका पदस्थापन रायपुर न्यायालय में किया गया था।

डबल बेंच ने पलटा फैसला, फिर प्रभावी हुई बर्खास्तगी

मामले में नया मोड़ तब आया जब राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर की डबल बेंच ने डी.बी. स्पेशल अपील रिट संख्या 699/2026 में 5 जून 2026 को महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए पूर्व में दिए गए स्थगन आदेश की क्रियान्विति पर ही रोक लगा दी। डबल बेंच के इस आदेश के बाद देवेन्द्र कुमार जोशी को मिली राहत समाप्त हो गई।

उच्च न्यायालय के आदेश की पालना में जिला न्यायाधीश अभय जैन ने बर्खास्तगी संबंधी 28 अगस्त 2025 के आदेश को पुनः प्रभावी कर दिया तथा जोशी की सेवा से बर्खास्तगी यथावत रखने के साथ उसे तत्काल प्रभाव से पदमुक्त करने के आदेश जारी कर दिए।

न्यायिक महकमे में चर्चाओं का विषय बना मामला

न्यायालय में करोड़ों रुपये के सरकारी भुगतान से जुड़े फर्जी बिलों के जरिए लाखों रुपये के कथित गबन का यह मामला लंबे समय से न्यायिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। डबल बेंच के ताजा आदेश के बाद एक बार फिर यह मामला सुर्खियों में आ गया है। अब आगे की कानूनी प्रक्रिया पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

महिला क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां तेज

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री नगर माहेश्वरी सभा, नगर माहेश्वरी महिला संस्थान एवं माहेश्वरी वूमेन स्पोर्ट्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 9 से 11 जून तक आयोजित होने वाली महिला क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर शनिवार को महेश स्कूल में औपचारिक बैठक आयोजित हुई। प्रतियोगिता के मुख्य प्रभारी रोशनलाल देवपुरा ने विभिन्न क्षेत्रीय सभाओं से आई टीम कप्तानों और प्रभारियों को प्रतियोगिता के नियमों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी दी। बैठक में महेश नवमी महोत्सव के सह संयोजक अर्चित मूंदड़ा, मुख्य खेल प्रभारी मुकेश चेचानी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में 11 क्षेत्रीय सभाओं की टीमें भाग लेंगी। महिला खिलाड़ियों में प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता को सफल एवं आकर्षक बनाने के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

गंगापुर स्व. गोकुल प्रसाद पुरोहित की 40 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। पूर्व विधायक स्वर्गीय गोकुल प्रसाद पुरोहित की 40वीं पुण्यतिथि पर उनके समर्थकों और श्रमिक नेताओं ने शनिवार को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में शामिल गणमान्य व्यक्तियों ने दिवंगत नेता को श्रमिक वर्ग का सच्चा हितैषी और लोकप्रिय नेता बताया।

कार्यक्रम में राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के राष्ट्रीय सचिव श्याम पुरोहित, मोहन लाल तिवारी, प्रहलाद गहलोत, प्रकाश सुराणा, अनवर मोहम्मद पठान,प्रहलाद सुथार, बंसी लाल रैगर,इसराइल मोहम्मद, नगर कांग्रेस सचिव शब्बीर मोहम्मद, जगदीश चंद्र जीनगर, मोनू तिवारी पवन धानुका, समसुदीन रंगरेज, चुनी लाल गाडरी, प्रदीप शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने स्व. गोकुल प्रसाद पुरोहित की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।सभी ने दिवंगत नेता के योगदान को याद करते हुए कहा कि गोकुल प्रसाद पुरोहित ने श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा संघर्ष किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने श्रमिक नेता को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

बंक्यारानी माता मंदिर में निशुल्क आयुर्वेद शिविर शुरू, 181 मरीजों ने लिया लाभ

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले आसींद के कस्बे के बंक्यारानी माता मंदिर परिसर में राज्य सरकार की पहल पर आयोजित निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का शनिवार को शुभारंभ हुआ। शिविर के पहले ही दिन 181 मरीजों ने स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और निशुल्क दवाओं का लाभ उठाया।

शिविर का उद्घाटन मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष धर्मीचंद गुर्जर, कोषाध्यक्ष देवीलाल गुर्जर एवं शिविर प्रभारी डॉ. कैलाश चंद्र माणम्या ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर प्रभारी डॉ. माणम्या ने बताया कि ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में आयुर्वेद चिकित्सा के प्रति बढ़ते विश्वास के चलते पहले दिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति आज भी लोगों को निरोग रखने और रोगों के उपचार में प्रभावी साबित हो रही है। मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष धर्मीचंद गुर्जर ने इस जनहितैषी पहल की सराहना करते हुए चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ का आभार जताया।

शिविर में डॉ. रमेश चंद्र कुमावत, डॉ. अमर सिंह चुंडावत, वरिष्ठ आयुर्वेद कंपाउंडर रामस्वरूप आझाल, सुरेश चंद्र पारीक सहित चिकित्सा दल ने सेवाएं प्रदान कीं। वहीं योग प्रशिक्षक मनफूल शर्मा एवं चंदा रेगर ने भी सहभागिता निभाई।

आयोजकों ने बताया कि निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर 7 जून को भी जारी रहेगा, जिसमें अधिक से अधिक लोगों से लाभ लेने की अपील की गई है।

नंदोत्सव में झूमे श्रद्धालु, कृष्ण बाल लीलाओं का हुआ भावपूर्ण वर्णन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। महेश वाटिका में पूरणमल-सम्पत देवी रांदड़ परिवार के तत्वावधान में चल रहे सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के पंचम दिवस कथा व्यास श्रद्धेय कृपारामजी महाराज (जोधपुर) ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण एवं संगीतमय वर्णन किया। कथा के दौरान आयोजित नंदोत्सव में श्रद्धालु भजनों पर झूम उठे और पूरा परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया।

कृपारामजी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मनुष्य को भक्ति, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलाने वाली दिव्य प्रेरणा है। उन्होंने नंदोत्सव प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से समूची ब्रजभूमि आनंद और उत्साह से भर उठी थी। 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' भजन पर श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कथा में बालकृष्ण की माखन चोरी, पूतना वध, शकटासुर उद्धार सहित विभिन्न बाल लीलाओं का मार्मिक वर्णन किया गया। महाराज ने कहा कि माखन चोरी की लीला भक्तों के हृदय रूपी माखन को जीतने का दिव्य संदेश देती है। 'मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो' सहित विभिन्न भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

'राधे-राधे जपो ', 'गोविन्द बोलो हरि गोपाल बोलो' और अन्य भजनों पर श्रद्धालु भक्ति भाव में झूमते नजर आए। कथा में महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या मौजूद रही।

आयोजन समिति के जगदीश सोनी, पियूष सोनी एवं खुशाल रांदड़ ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव 8 जून तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक महेश वाटिका में आयोजित होगा।

नगर निगम चुनावों को लेकर कांग्रेस सक्रिय, बनाई रणनीति

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। संभावित नगर निगम चुनावों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी शहर की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को गांधी भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और चुनावी रणनीति पर मंथन किया गया।

जिलाध्यक्ष शिवराम जी.पी. खटीक ने कहा कि नगर निगम चुनाव कभी भी घोषित हो सकते हैं, इसलिए कार्यकर्ताओं को अभी से सक्रिय होकर जनता के बीच कांग्रेस की नीतियों और जनहित के मुद्दों को पहुंचाना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगामी चुनाव एकजुटता और पूरी ताकत के साथ लड़ेगी।

बैठक में वार्ड स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकारिणी गठन और चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक, पीसीसी सदस्य मनोज पालीवाल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष हाजी अब्दुल सलाम मंसूरी, राजेंद्र जैन, योगेश सोनी, प्रकाश चंद्र ओझा, शिवप्रकाश घावरी, उस्मान पठान सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यायालय में 250 लीटर ऑर्गेनिक छाछ का किया वितरण

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

मेवाड़ की वीरता, स्वाभिमान और अदम्य साहस के प्रतीक महाराणा प्रताप की ऐतिहासिक हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने के पावन उपलक्ष में उपभोक्ता कल्याण समिति, राजस्थान द्वारा प्रदेशाध्यक्ष अशोक जैन, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र कुमार मारू के नेतृत्व में व जिला अभिभाषक संस्था अध्यक्ष उम्मेदसिंह राठौड़ व वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र कचोलिया के आतिथ्य में सेशन कोर्ट परिसर में भीषण गर्मी के मद्देनजर अधिवक्ताओं, न्यायालय कार्मिकों एवं न्यायिक कार्य के लिये आने वाले मुवक्किलों को तकरीबन 250 लीटर शीतल मसाला ऑर्गेनिक छाछ का निःशुल्क वितरण किया गया।

प्रदेश महामंत्री मारू ने बताया कि न्यायालय परिसर में आर्गनिक छाछ वितरण कार्यक्रम की शुरुआत जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय जैन द्वारा की गई7 उन्होंने कहा कि वर्तमान में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है इस भीषण गर्मी में शीतल पेय ठंडी ऑर्गेनिक छाछ पिलाई गई7 शीतल छाछ के सेवन से सभी के कंठ तर हो उठे। समिति द्वारा पूर्व में भी भीलवाड़ा में अलग अलग स्थानों पर अमाजन को छाछ पिलाई जा चुकी है।

समिति के प्रदेश संगठन मंत्री पंकज हेमराजानी ने बताया कि छाछ वितरण कार्यक्रम में संरक्षक हेमंत कोठारी, महिला प्रदेशाध्यक्ष संगीता अग्रवाल, राकेश सक्सेना, युवा प्रदेशाध्यक्ष अनिल कुमार पारीक, महिला युवा प्रदेशाध्यक्ष निशा कँवर गौड़, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यप्रकाश सरगरा, राजकुमार पाटनी, वरिष्ठ अधिवक्ता गणपत सिंह राणावत, पूर्व अध्यक्ष राजेश शर्मा, ओमप्रकाश तेली, आशीष अग्रवाल, एडवोकेट पीरू सिंह गौड़, एडवोकेट नवरत्न जैन, एडवोकेट नवरतन बुरड़ कय्यूम मोहम्मद सक्का, अनीता डीडवानिया, ममता शर्मा एवं मध्य जोन अग्रवाल महिला मंडल से रेणू, रितु व निशा अग्रवाल सहित समिति के कई पदाधिकारी एवं सदस्य व अधिवक्तागण मौजूद थे।

भव्य कलश एवं तुलसी दल शोभायात्रा का भव्य आयोजन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

हनुमान सेवा समिति, पटेल नगर सेक्टर-4 भीलवाड़ा द्वारा आयोजित रामभक्त हनुमान कथा के शुभ अवसर पर भव्य कलश यात्रा एवं तुलसी दल शोभायात्रा का आयोजन महिर ज्योतिष संस्थान के तत्वाधान में अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं धार्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ।

प्रातःकाल निकली इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भगवान श्रीराम एवं वीर हनुमान के जयघोष के साथ नगर के प्रमुख मार्गों पर यात्रा निकाली। श्रद्धालुओं द्वारा हाथों में तुलसी दल एवं धर्म ध्वज लेकर भक्ति भाव से यात्रा में भाग लिया गया।

यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भक्तिमय भजनों, जयकारों एवं धार्मिक नारों से वातावरण गुंजायमान रहा। अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया तथा जलपान एवं प्रसाद की व्यवस्था भी की गई।पर्यावरण दिवस तुलसी लगाने का आग्रह किया पंडित विठ्ठल शरण शास्त्री जी ने कहा की प्रत्येक हिन्दू घर मे तुलसी का पौधा होना चाहिए।

आयोजकों ने बताया कि शोभायात्रा रामभक्त हनुमान कथा के शुभारंभ के उपलक्ष्य में निकाली गई, जिसका उद्देश्य धर्म, संस्कृति एवं सनातन परंपराओं के प्रति जनजागरण करना है। यात्रा में सभी समाजों एवं वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे सामाजिक समरसता एवं धार्मिक एकता का सुंदर संदेश प्रसारित हुआ।

भगवान पर अटूट विश्वास ही सच्ची भक्ति का आधार : सत्यनारायण महाराज

स्मार्ट हलचल

खेरुणा। ग्राम खेरुणा में आयोजित श्रीमद् पुरुषोत्तम भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास पं. सत्यनारायण महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य को भगवान पर अटूट विश्वास रखना चाहिए। यह भावना कि भगवान हर समय हमारे साथ हैं, जीवन को सही दिशा प्रदान करती है और विपरीत परिस्थितियों में भी संबल देती है।

महाराज ने भक्ति के विभिन्न चरणों का वर्णन करते हुए बताया कि श्रद्धा, विश्वास, गुरु मंत्र, अनर्थ निवृत्ति, निष्ठा, आसक्ति, रुचि, भाव और प्रेम के माध्यम से साधक अपनी आध्यात्मिक प्रगति को पहचान सकता है। उन्होंने कहा कि इन गुणों का विकास व्यक्ति को ईश्वर के अधिक निकट ले जाता है।

ऋतु वर्णन के प्रसंग में उन्होंने कहा कि जिस प्रकार ग्रीष्म ऋतु का ताप सहन करने के बाद वर्षा ऋतु का सुख प्राप्त होता है, उसी प्रकार जीवन में सफलता के लिए परिश्रम और तपस्या आवश्यक हैं। इसके बाद ही शांति, संतोष और सुख की अनुभूति होती है।

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की चीरहरण लीला, गोवर्धन लीला, कंस वध सहित विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। साथ ही द्वारिका नगरी की स्थापना और धर्म आधारित शासन व्यवस्था की महिमा का भी वर्णन किया गया। कथा के समापन पर भगवान श्रीकृष्ण एवं माता रुक्मिणी के दिव्य विवाह प्रसंग का मनोहारी चित्रण किया गया, जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कथा व्यास पं. सत्यनारायण महाराज ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर धर्मेश व्यास, नवीन व्यास, उदयलाल व्यास, रामगोपाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मन्दाकिनी महादेव मंदिर में सोमवार से भागवत कथा सप्ताह

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। श्री श्री 1008 श्री ब्रह्मलीन श्री रामदास जी महाराज की असीम कृपा से श्री नरसिंह द्वारा मन्दाकिनी महादेव मंदिर पर पुरषोत्तम मास के उपलक्ष्य में श्री स्वामी जी मुक्तानंद जी महाराज सरस्वती चित्रकूट धाम के मुखारविंद से भागवत कथा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। नरसिंह द्वारा के श्री श्याम दास जी त्यागी महाराज के सानिध्य में कथा 8 जून सोमवार से 14 जून रविवार तक आयोजित होगी । समय दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक रहेगा । 8 जून को ही प्रातः 9.00 बजे जलयात्रा मन्दाकिनी महादेव मंदिर से शुरू होकर चारभुजा नाथ मंदिर, पंचायत चौक, तेजाजी चौक से होकर वापस मन्दाकिनी महादेव मंदिर तक निकाली जाएगी। जिसमें सभी समाजो को आमंत्रित किया गया है।कथा का आयोजन भक्त मंडल एवं समस्त ग्रामवासी बिजौलियां द्वारा किया जा रहा है। आयोजनकर्ताओं ने अधिक से अधिक लोगों को कथा श्रवण का लाभ लेने को आमंत्रित किया है। बताते चलें कि पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) में श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने का अनंत गुना फल मिलता है ।

यह मास भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। इस दौरान कथा सुनने से जन्म-जन्मांतर के पाप कट जाते हैं और घर-परिवार में सुख-शांति तथा समृद्धि आती है। भागवत कथा श्रवण से पापों से मुक्ति मिलती हैं और आत्मा पवित्र होती है। मान्यता है कि भागवत कथा के प्रभाव से जीव भवसागर से पार हो जाता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है ।कथा श्रवण से न केवल सुनने वाले का, बल्कि उनके पितरों का भी तर्पण और उद्धार होता है। सांसारिक चिंताओं, क्रोध और द्वेष से मुक्ति मिलती है। मन में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का उदय होता है। सामान्य दिनों की तुलना में पुरुषोत्तम मास में किए गए जप, तप, और कथा श्रवण का फल कई गुणा अधिक प्राप्त होता है।

हिंदुस्तान जिंक द्वारा राजस्थान में 250-हेक्टेयर के इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट के लिए टीईआरआई के साथ एमओयू

औद्योगिक जमीन को प्राकृतिक इकोसिस्टम में बदलने की बड़े पैमाने की पहल, जिससे बायोडायवर्सिटी और क्लाइमेट रेजिलिएंस को मिलेगा बढ़ावा

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और शीर्ष 10 सिल्वर उत्पादक कंपनियों में से एक, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने राजस्थान में 250-हेक्टेयर के इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट को विकसित करने के लिए द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट के साथ एमओयू साइन किया। इस प्रोजेक्ट से औद्योगिक परिसर में विश्व का सबसे बड़ा ग्रीन कवर एरिया विकसित होगा। चित्तौड़गढ़ जिले में हिंदुस्तान जिंक के चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स में शुरू होने वाली यह पहल, औद्योगिक क्षेत्र को प्राकृतिक इकोसिस्टम के रूप में बदलने की कंपनी के प्रयासों में महत्वपूर्ण कदम है।

यह सहयोग हिंदुस्तान जिंक के सस्टेनेबिलिटी गोल 2030 को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। इसका मकसद मापने योग्य सुधारों के जरिए बायोडायवर्सिटी के नुकसान को रोकना और उसे बदलना है, साथ ही लंबे समय में नेट पॉजिटिव इम्पैक्ट और प्रकृति-सकारात्मक नतीजों को सपोर्ट करने की दिशा में लगातार काम करना है।

यह प्रोजेक्ट एक वैज्ञानिक, मल्टी-लेयर्ड इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन अप्रोच को अपनाएगा, जिसमें स्थानीय इलाके के अनुकूल पेड़, झाड़ियाँ, जड़ी-बूटियाँ और घास शामिल होंगी। इसमें बाहरी प्रजातियों के मैनेजमेंट, जल निकायों और जलीय इकोसिस्टम को सपोर्ट करने और लंबे समय तक रखरखाव और सुरक्षा प्रोटोकॉल विकसित करने के उपाय भी शामिल होंगे। टीईआरई उपयुक्त स्थानीय और अनुकूलनशील पौधों की प्रजातियों की पहचान करने में भी मदद करेगा और प्लानिंग, डिजाइन और इम्प्लीमेंटेशन के चरणों में विषय-विशेषज्ञों को शामिल करेगा।

यह नया सहयोग चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स में टीआरआई के साथ हिंदुस्तान जिंक के लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को और आगे बढ़ाता है। जारोफिक्स यार्ड में, दो चरणों में 22.25 हेक्टेयर क्षेत्र में रेस्टोरेशन का काम पहले ही पूरा हो चुका है। इससे औद्योगिक जमीन को इकोलॉजिकल रूप से काम करने वाले और बायोडायवर्सिटी से पूरी तरह ग्रीन कवर में बदल दिया गया है। इसके साथ ही, कॉम्प्लेक्स में सुरक्षित लैंडफिल के ऊपर 6 हेक्टेयर का बायोडायवर्सिटी पार्क बनाया जा रहा है। टीईआरआई की माइकोराइजा टेक्नोलॉजी के उपयोग से इस पहल के तहत लगभग 56,400 स्थानीय पेड़ लगाए गए हैं, जिससे औद्योगिक क्षेत्र घनी हरियाली तैयार हुई है।

इस उपलब्धि पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि, 'हिंदुस्तान जिंक में, हमारे कामकाज के तरीके में सस्टेनेबिलिटी सबसे महत्वपूर्ण है। पानी के सही प्रबंधन और सर्कुलरिटी से लेकर डीकार्बोनाइजेशन और बायोडायवर्सिटी के संरक्षण तक, हमारा ध्यान जिम्मेदार और भविष्य के लिए तैयार कामकाज बनाने पर है। टीईआरआई के साथ हमारी साझेदारी इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, हम औद्योगिक जमीन को ऐसे मजबूत ग्रीन इकोसिस्टम में बदल रहे हैं जो स्थानीय बायोडायवर्सिटी और इकोलॉजिकल बहाली में मदद करते हैं। आईसीएमएम में शामिल होने वाली पहली भारतीय कंपनी के तौर पर, हम सस्टेनेबल माइनिंग में ग्लोबल बेंचमार्क के साथ तालमेल बिठा रहे हैं और पर्यावरण, समुदायों और देश के लिए लंबे समय तक चलने वाला मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 'यह पहल हिंदुस्तान जिंक के व्यापक एनवायरनमेंट, सोशल और गवर्नेंस रोडमैप के अनुरूप है, जो जमीन की बहाली, बायोडायवर्सिटी संरक्षण, पानी के सही प्रबंधन, डीकार्बोनाइजेशन और प्राकृतिक संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधन पर बल देता है। कंपनी 530 मेगावॉट के चैबीसों घंटे चलने वाले रिन्यूएबल एनर्जी एग्रीमेंट के जरिए अपनी सस्टेनेबिलिटी परफॉर्मेंस को मजबूत कर रही है। इससे उसकी 70 प्रतिशत से अधिक बिजली की जरूरतें पूरी होने की उम्मीद है और शुरुआती सप्लाई पहले ही शुरू हो चुकी है। इसने अपने पानी के रीसाइक्लिंग रेट को भी 49 प्रतिशत तक बेहतर किया है और अपने ग्रीन मोबिलिटी फ्लीट को बढ़ाकर 232 वाहन कर लिया है, जिसमें इलेक्ट्रिक और एलएनजी से चलने वाले वाहन शामिल हैं। वेदांता ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक को हाल ही में एसएण्डपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2025 में लगातार तीसरे वर्ष विश्व की सबसे सस्टेनेबल मेटल्स और माइनिंग कंपनी का दर्जा दिया गया। प्रस्तावित 250 हेक्टेयर के इकोलॉजिकल बहाली प्रोजेक्ट के साथ, कंपनी जिम्मेदार औद्योगिक कामकाज रीजेनरेटिव लैंडस्केप, क्लाइमेट रेजिलिएंस और समुदायों, बायोडायवर्सिटी और ग्रह के लिए लंबे समय तक चलने वाला मूल्य बनाने में योगदान को सुनिश्चित कर रही हैं।

प्रकृति मां का रूप, इसके साथ क्रूरता बंद हो : जैन

विश्व पर्यावरण दिवस पर देवदा विद्यालय में पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

बोहेड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बड़ीसादड़ी उपखंड क्षेत्र के देवदा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को देर सांय पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों एवं विद्यालय परिवार ने मिलकर परिसर में छायादार एवं फलदार पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए पर्यावरण प्रेमी जगदीश शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिवर्ष एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। पूर्व प्रधानाध्यापक महेंद्र कुमार जैन ने कहा कि प्रकृति मां के समान है और इसके साथ किसी प्रकार की क्रूरता बंद होनी चाहिए। प्राकृतिक संसाधनों का संयमित उपयोग समय की मांग है। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं तथा बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच पौधारोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नर्सिंग ऑफिसर राजकुमार पुष्करणा, गौभक्त पूरण दास वैष्णव, गोवर्धन लाल सुथार, मांगीलाल सुथार, मांगीलाल रावत,हिम्मत सुथार, गणपत सुथार, अर्जुन सुथार एवं राजू लाल सुथार सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रो. अनुकृति शर्मा को मिली अंतरराष्ट्रीय शोध निर्देशन की जिम्मेदारी

स्मार्ट हलचल |कोटा

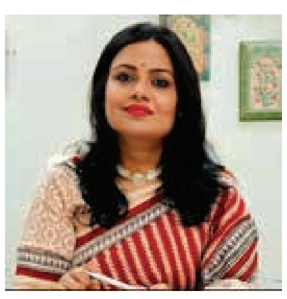

कोटा विश्वविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रो. डॉ. अनुकृति शर्मा को अज़रबैजान की प्रतिष्ठित अज़रबैजान स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स) के ग्रेजुएट स्कूल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आधिकारिक रूप से वैज्ञानिक पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। ह्श्चष्ट ग्रेजुएट स्कूल के निदेशक एसोसिएट प्रोफेसर इसायेव सोहराब जुल्फिकार द्वारा जारी लिखित पुष्टि पत्र में यह जानकारी दी गई है।

इस नियुक्ति के अंतर्गत प्रो. शर्मा दो मास्टर शोधार्थियों – अलीसॉय अयडिन इब्राहिम, जो 'लघु एवं मध्यम व्यवसायों में एलएलएम और स्वचालन उपकरणों का अनुप्रयोग' विषय पर शोध करेंगे, तथा गुसेनज़ादे ज़री एख्तियार, जो 'सतत पर्यटन में उद्यमशीलता: एक व्यावसायिक संगठन परिप्रेक्ष्य' पर कार्य करेंगी – का अकादमिक मार्गदर्शन करेंगी।

उल्लेखनीय है कि प्रो. डॉ. अनुकृति शर्मा विगत 10 वर्षों से अधिक समय से कोटा विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रही हैं। गौरतलब है कि वर्ष 1930 में स्थापित अज़रबैजान स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स दक्षिण काकेशस क्षेत्र के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में से एक है। विश्वविद्यालय में 21,000 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें 1,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्र शामिल हैं। इसके साथ ही यहां लगभग 800 शिक्षण एवं शोध संकाय सदस्य कार्यरत हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिरला कॉरपोरेशन का हरित संकल्प

चंदेरिया इकाई में पर्यावरण संरक्षण सप्ताह, कई हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

स्मार्ट हलचल| चंदेरिया

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड, चंदेरिया ने इस वर्ष की थीम 'प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए' के तहत पर्यावरण संरक्षण सप्ताह मनाया। सप्ताह भर आयोजित कार्यक्रमों में जलवायु परिवर्तन, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, कार्बन न्यूट्रैलिटी, ग्रीन बिल्डिंग और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। इकाई प्रमुख जयंत कांडपाल एवं अधिकारियों ने प्लांट परिसर में वृक्षारोपण कर इस वर्ष कई हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया। कांडपाल ने कहा कि पर्यावरण क्षरण को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाने की आवश्यकता बताई।

पर्यावरण संरक्षण सप्ताह के दौरान स्कूली विद्यार्थियों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता, महिलाओं एवं कर्मचारियों के लिए कविता और पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहीं बिरला सीमेंट वर्क्स, चंदेरिया सीमेंट वर्क्स एवं माइंस कैंटीन में श्रमिकों के लिए पर्यावरण प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्लांट परिसर में हाउसकीपिंग और 'बेस्ट फ्रॉम वेस्ट' प्रतियोगिताओं में विभिन्न विभागों ने भागीदारी निभाई।

कंपनी ने जिला प्रशासन एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, चित्तौड़गढ़ के सहयोग से आयोजित महा स्वच्छता अभियान, ई-वेस्ट संग्रहण अभियान, ईको प्रदर्शनी, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान और 'ह्श्2 द्धश्रह्-ष्ट्यद्ब-द्बङ्खह्द्ग' रैली में भी सक्रिय भागीदारी की। इसके अलावा सूरजना गांव में ग्रामीणों के साथ स्वच्छता रैली और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

कंपनी के सस्टेनेबिलिटी प्रमुख विनोद पालीवाल ने 'स्वच्छ एवं हरित ही स्थायित्व है' विषय पर आधारित कार्यक्रमों का समन्वय किया। क्लब हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन पर जानकारी दी गई, प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर बिरला शिक्षा केंद्र के विद्यार्थियों एवं पावर प्लांट टीम के हेमंत कुमार तिवारी ने नाटिका प्रस्तुत की। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि राहुल देव सिंह, महाप्रबंधक, डीआईसी, चित्तौड़गढ़ तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. गिरीराज सोनगरा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, चित्तौड़गढ़ ने कंपनी की पर्यावरणीय पहलों की सराहना की।

सूखे मेवे और औषधियों से सजा 56 भोग 200 से अधिक गौ- माता को किया अर्पित

माहेश्वरी महिला संगठन (गौरव) एवं जिला माहेश्वरी महिला मंडल ने किया सेवा कार्य

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

भारतीय संस्कृति में सर्वोच्च स्थान रखने वाली गौ-सेवा को नया आयाम देते हुए माहेश्वरी महिला संगठन (गौरव) एवं जिला माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय गौशाला में एक विशेष गौ-सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुनीत आयोजन का मुख्य आकर्षण 200 से अधिक गौ-माताओं को अर्पित किया गया विशेष 'छप्पन भोग' था।

अध्यक्षा सीमा लाहोटी ने बताया कि पुरुषोत्तम मास भगवान कृष्ण व विष्णु समर्पित है जिन्हे गाय माता अति प्रिय है। भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए गायों के स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए इस भोग में पारंपरिक खाद्य सामग्री के साथ-साथ पौष्टिक सूखे मेवे और स्वास्थ्यवर्धक औषधियाँ सम्मिलित की गईं।

संरक्षक कौशल्या गट्टियानी के मार्गदर्शन में संपन्न हुए इस कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण गौशाला परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। उपस्थित महिलाओं ने गौ-माताओं की आरती उतारी, तिलक लगाया और अत्यंत स्नेहपूर्वक अपने हाथों से उन्हें भोग ग्रहण कराया। आयोजन का उद्देश्य समाज को यह संदेश देना है कि सच्ची गौ-सेवा केवल श्रद्धा तक सीमित न रहकर उनके स्वास्थ्य, पोषण और संरक्षण की जिम्मेदारी उठाने में है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंजू गांधी, कविता बल्दवा एवं रेखा असावा का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर संगठन (गौरव) की अध्यक्ष सीमा लाहोटी, सचिव रेखा देवपुरा, नीलम पेडीवाल, आशा नारायणीवाल, सरिता न्याति, रीमा, सरोज, प्राची, कुसुम, राजकुमारी, कला सहित 50 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अंत में सभी पदाधिकारियों ने टीम का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

देहीखेड़ा तालाब में मगरमच्छ दिखने से मचा हड़कंप, परन्तु नहीं पहुंचे जिम्मेदार

स्मार्ट हलचल

लाखेरी। उपखंड क्षेत्र के देहीखेड़ा में स्थित तालाब में मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। तालाब आबादी क्षेत्र के नजदीक होने के कारण लोगों के साथ-साथ मवेशियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

ग्रामीण हनुमान गुर्जर, अजय मीणा, गौरव सैनी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से तालाब में मगरमच्छ देखा जा रहा है। तालाब पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं मवेशी पानी पीने के लिए पहुंचते हैं, जिससे किसी भी समय हादसा होने की आशंका बनी हुई है। मगरमच्छ की मौजूदगी से ग्रामीणों ने बच्चों को तालाब के आसपास जाने से रोक दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि मामले की सूचना वन विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक मगरमच्छ को पकड़ने अथवा उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इससे लोगों में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। ग्रामीणों ने स्थानीय पंचायत प्रशासन व वन विभाग से शीघ्र कार्रवाई कर मगरमच्छ को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़े जाने की मांग की है, ताकि संभावित दुर्घटना से बचाव हो सके और लोगों में व्याप्त भय का माहौल समाप्त हो सके।

शैक्षिक महासंघ चित्तौड़गढ़ ने जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की

स्मार्ट हलचल|चित्तौड़गढ़

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) जिला शाखा चित्तौड़गढ़ ने शिक्षकों की विभिन्न मांगों के त्वरित निस्तारण के लिए जिला अध्यक्ष पूरण मल लौहार के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय(माध्यमिक शिक्षा) और जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय (प्रारंभिक शिक्षा) चित्तौड़गढ़ राजेंद्र कुमार शर्मा को ज्ञापन दिया।साथ ही संगठन ने माध्यमिक शिक्षा से संबंधित विषयों के लिए अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक चित्तौड़गढ़ चंद्रशेखर त्रिपाठी और डॉ जितेंद्र कुमार दशोरा से वार्ता कर शिक्षकों के लंबित प्रकरणों के निस्तारण की मांग की।

जिला सभाध्यक्ष तेजपाल सिंह शक्तावत ने बताया कि संगठन ने एसओजी जांच से प्रभावित शारीरिक शिक्षकों और दिव्यांग श्रेणी के शिक्षकों का स्थायीकरण शीघ्र कराने,लंबित एसीपी एमएसीपी प्रकरणों का समय पर निस्तारण करने और नोशनल लाभ प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करवाने की मांग की। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी महोदय ने बिंदु अनुसार चर्चा करते हुए समस्त समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया।इस अवसर पर संगठन प्रतिनिधि मंडल में संगठन के जिला सभाध्यक्ष तेजपाल सिंह शक्तावत, खंड भदेसर अध्यक्ष दिनमान वशिष्ठ, खंड चित्तौड़गढ़ के सभाध्यक्ष जोगेंद्र सिंह राणावत,अध्यक्ष कालू लाल रायका समेत पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पंच परिवर्तन से क्रांतिकारियों के सपने पूर्ण होंगे -श्रीकांत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, चित्तौड़ प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग का प्रकट समारोह

स्मार्ट हलचल |कोटा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, चित्तौड़ प्रांत एव कोटा महानगर द्वारा आयोजित संघ शिक्षा वर्ग (तरुण व्यवसायी एवं विशेष वर्ग) का प्रकट समारोह स्वामी विवेकानंद विद्यालय, महावीर नगर तृतीय में संपन्न हुआ। समारोह में कोटा ब्लड बैंक सोसायटी की संस्थापक सदस्य श्रीमती मधु कासलीवाल मुख्य अतिथी रही। तरुण व्यवसायी वर्ग के सर्वाधिकारी ललित शारदा, विशेष वर्ग के सर्वाधिकारी प्रो. मोहन लाल साहु, महानगर संघचालक गोपाल लाल गर्ग एवं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, राजस्थान क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख श्रीकांत मंचासीन रहे।

मुख्य अतिथि मधु कासलीवाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में राष्ट्रसेवा और चरित्र निर्माण का कार्य कर रहा है। संघ ने अनुशासन, संगठन और सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया है। स्वयंसेवकों द्वारा निस्वार्थ भाव से किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

समारोह के मुख्य वक्ता क्षेत्रीय बौद्धिक प्रमुख श्रीकांत ने कहा कि किसी राष्ट्र की ऊँचाई को महलों, मीनारों या पर्वतों से नहीं मापा जा सकता है। गहराई कुए, तालाब और समुद्रों से नहीं मापी जा सकती है। राष्ट्र की ऊँचाई मजबूत मन और गहराई हृदय से नापी जाती है। संघ कार्य स्वामी विवेकानंद के सपनों का कार्य है। संघ में स्वयंसेवक कुछ बोलता नहीं है, धरातल पर करके दिखाता है। चाहे आजादी आन्दोलन हो या वि-स्थापितों को स्थापित करने का कार्य, कश्मीर के विलय का समय हो या 10 सितम्बर 1947 को दिल्ली में विप्लव करने की योजना इन सभी में स्वयंसेवकों ने एकजुट होकर राष्ट्रहित की भूमिका निभाई। राष्ट्र सर्वोपरि' का विचार जन-जन के हृदय में स्थापित करने वाले गुरुजी हिंदुत्व के प्रमुख प्रवर्तकों में से एक रहे।

यह है पंच परिवर्तन-उन्होंने कहा कि अब संघ ने समाज परिवर्तन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाना प्रारंभ किया है। पंच परिवर्तन के मुद्दे कुटुम्ब प्रबोधन, स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य एवं सामाजिक समरसता हैं। संघ क्रांतिकारियों के सपनों को अपनी गतिविधियों के माध्यम से साकार कर रहा है। उन्होंने आव्हान किया कि प्रत्येक परिवार से एक-एक पुरुष व मातृशक्ति राष्ट्र कार्य में सक्रिय सहयोग करें और बच्चों को नियमित लगने वाली शाखाओं में अवश्य भेजें। भविष्य के लिए संस्कारवान पीढ़ी यही से मिलेगी।

संघ शिक्षा वर्ग का महत्व-

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा संघ शिक्षा वर्ग विशेष एवं तरुण व्यवसायी वर्ग आयोजित किये गये। 15 दिवसीय इस वर्ग में उद्यमी शैलेंद्र गुप्ता, कबीर आश्रम के संत प्रभाकर का सानिध्य मिला। इस वर्ग में चित्तौड़ प्रांत के 14 प्रशासनिक एवं संघ दृष्टि से 27 जिलों के 130 स्थान से 150 शिक्षार्थी देश सेवा साधना के लिए शामिल हुये। इनमें 62 अध्यापक, 3 अधिवक्ता, 12 चिकित्सक, 39 निजी व्यवसाय, एक प्रशासनिक अधिकारी, 3 अभियंता, 24 निजी कर्मचारी और 3 किसान सम्मिलित हैं। वर्ग में 52 प्रबंधकों एवं 30 बस्तियों से 120 सुरक्षा कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवायें दी। वर्ग में सेवा बस्तियों, गौ सेवा एवं परिवारों से संपर्क का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

शिक्षार्थियों को अ.भा. कार्यकारिणी सदस्य भैयाजी जोशी एवं वरिष्ठ प्रचारक दुर्गादास व क्षेत्र प्रचारक निंबाराम, क्षेत्र कार्यवाह जशवंत खत्री, क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य हनुमान सिंह, प्रांत कार्यवाह शंकर माली एवम प्रांत प्रचारक मुरलीधर आदि का सानिध्य मिला। भारतीय संविधान, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण के 1000 वर्ष, संत रविदास के जीवन-दर्शन, भारतीय धर्मग्रंथों तथा संघ के शताब्दी वर्ष से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई। वर्ग कार्यवाह नारायण लाल ने सबका आभार व्यक्त किया। वर्ग में 90 बस्तियों के 3200 परिवारों ने प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रतिदिन लगभग 7500 भोजन पैकेट तैयार करने वाली मातृशक्ति के समर्पण को नमन किया। कार्यक्रम सामाजिक समरसता सहभोज के साथ सम्पन्न हुआ।

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में डिप्लोमा प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, उदयपुर एवं वल्लभनगर सहित प्रदेशभर के पॉलिटेक्निक संस्थानों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है।

महाविद्यालय के प्राचार्य सी. एस. टाक ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से स्वयं अथवा ई-मित्र केन्द्रों के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश पंजीयन शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 9 जून 2026 तथा ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की अंतिम तिथि 10 जून 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी प्रथम वर्ष प्रवेश हेतु www.daprajasthan.co.in तथा पार्श्व प्रवेश (द्वितीय वर्ष) हेतु www.ldaprajasthan.co.in पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका का अवलोकन कर सकते हैं।

प्राचार्य श्री टाक ने बताया कि पॉलिटेक्निक शिक्षा विद्यार्थियों को कम समय में रोजगारोन्मुखी एवं व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करती है। 10वीं अथवा 12वीं के पश्चात पॉलिटेक्निक में प्रवेश लेकर विद्यार्थी अपने तकनीकी करियर की सुदृढ़ शुरुआत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, उदयपुर एवं वल्लभनगर, राजकीय संस्थान होने के कारण विद्यार्थियों को न्यूनतम शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, अनुभवी एवं दक्ष संकाय का मार्गदर्शन, विभिन्न सरकारी छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ तथा तकनीकी क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य निर्माण के बेहतर अवसर उपलब्ध कराते हैं।

जल, जंगल और जैव विविधता संरक्षण पर व्यापक चर्चा, जयपुर में आयोजित शिखर सम्मेलन में गूंजे पर्यावरण सरोकार

स्मार्ट हलचल

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजस्थान एनवायरमेंट एंड एनर्जी कंजर्वेशन सेंटर ('श्वश्वष्टष्ट) द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस शिखर सम्मेलन-2026 का 8वां संस्करण जयपुर में आयोजित हुआ। सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण एवं सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों, शोधकर्ताओं और युवाओं ने विचार साझा किए तथा पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान पर मंथन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राजस्थान विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष सी.पी. जोशी, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं सहकारिता विभाग के सचिव समित शर्मा, पद्मश्री सम्मानित पर्यावरणविद् लक्ष्मण सिंह लापोड़िया, एल.बी.एस. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हेमंत पारिक, पर्यावरण विशेषज्ञ गोविंद शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सम्मेलन का मुख्य विषय 'वैश्विक जलवायु परिवर्तन : सामूहिक प्रयासों से सतत भविष्य की ओर' रहा। इस दौरान आयोजित विशेष परिचर्चा में प्रो. (डॉ.) मनोज के. पंड्या, के. श्रीकांत नगर, अनुराग कुमार भटनागर एवं सेवानिवृत्त आईएएस दामोदर शर्मा सहित विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जैव विविधता की सुरक्षा और पर्यावरणीय चुनौतियों के स्थायी समाधानों पर अपने विचार रखे।

वक्ताओं ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज विश्व के सामने

सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है, जिसका प्रभाव पर्यावरण के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक व्यवस्थाओं पर भी पड़ रहा है। ऐसे में जल संरक्षण, वृक्षारोपण, ऊर्जा दक्षता, अक्षय ऊर्जा के उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित दोहन को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि इसके लिए जनभागीदारी और सामूहिक प्रयास अनिवार्य हैं।

सम्मेलन में युवाओं की सक्रिय भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने विज्ञान मॉडल, पर्यावरण संरक्षण आधारित परियोजनाओं, नवाचारों और चित्रकला प्रदर्शनी के माध्यम से अपनी रचनात्मक सोच और जागरूकता का परिचय दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडल और परियोजनाओं में जल संरक्षण, हरित ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और सतत विकास से जुड़े नवाचारों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

वक्ताओं ने युवाओं को पर्यावरण संरक्षण की मुहिम का अग्रदूत बताते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वच्छ भविष्य के लिए आज से ही जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने तथा अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल आदतों को अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को 'पर्यावरण उत्कृष्टता सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, शोधकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सम्मेलन के समापन पर राजस्थान एनवायरमेंट एंड एनर्जी कंजर्वेशन सेंटर के अध्यक्ष वैभव भारद्वाज ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए जागरूक समाज और सामूहिक प्रयास ही भविष्य की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे आयोजन पर्यावरणीय चेतना को मजबूत करने और समाज को प्रकृति के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | सुनेल

क्षेत्र के ग्राम सागरिया के ग्रामीणों ने चारागाह भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि गांव के आसपास स्थित चारागाह भूमि पर कथित रूप से भू-माफिया एवं बजरी माफिया द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। भूमि पर गहरे गड्ढे खोद दिए जाने से क्षेत्र में दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है तथा आए दिन हादसे होने का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों का कहना है कि चारागाह भूमि पर अतिक्रमण होने से पशुओं, विशेषकर गौवंश के आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। इससे चराई व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित भूमि का सर्वे करवाकर अतिक्रमण हटाया जाए तथा भविष्य में इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जाए।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

रामावतार असवाल हत्याकांड पर सर्वसमाज का आक्रोश, सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

मनोहरपुर। भाजपा नेता एवं समाजसेवी रामावतार उर्फ पप्पू असवाल हत्याकांड को लेकर क्षेत्र में जनाक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को मनोहरपुर के शिव मंदिर परिसर में सर्वसमाज की बैठक आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में हत्या की कड़ी निंदा करते हुए पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई।

बैठक के बाद सर्वसमाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि 1 जून को भाजपा नेता एवं समाजसेवी रामावतार असवाल की निर्मम हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक और रोष का माहौल है। लोगों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कर आरोपियों के खिलाफ शीघ्र चालान पेश करने तथा फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की।

सर्वसमाज और परिजनों ने आरोपी तथा उसके परिवार की पृष्ठभूमि और संपत्तियों की गहन जांच कराने की मांग भी उठाई। ज्ञापन में सरकार से मृतक के परिवार को उचित आर्थिक सहायता देने, मृतक रामावतार असवाल के पुत्र को सरकारी नौकरी देने तथा आरोपी के परिजनों की संपत्ति पर बुलडोजर कार्रवाई करने की मांग की गई।

वक्ताओं ने कहा कि रामावतार असवाल सामाजिक और जनसेवा कार्यों से जुड़े हुए थे तथा उनकी हत्या से पूरे क्षेत्र को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय नहीं मिला तो सर्वसमाज आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होगा। इस दौरान विधायक मनीष यादव, भाजपा नेता उपेन यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह, एसडीएम संजीव खेदड़, थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सहादत नगर स्कूल में संपत्ति गायब होने का सिलसिला जारी-बची हुई आधा दर्जन पट्टियां भी लापता

55 पट्टियों के कथित गायब होने की जांच अभी अधूरी-अब बची हुई आधा दर्जन पट्टियां भी लापता-सहादत नगर स्कूल विवाद ने फिर पकड़ा तूल

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। उनियारा उपखंड क्षेत्र के सहादत नगर स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की सरकारी संपत्ति से जुड़ा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। विद्यालय के पुराने भवन से मई-जून 2022 में नए भवन निर्माण कार्य के दौरान उतारी गई करीब 60 पत्थर की पट्टियों में से बची हुई आधा दर्जन के करीब टूटी पट्टियां भी हाल ही में गायब होने का दावा किया गया है। इससे पहले से चल रहे स्कूल संपत्ति विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2022 में ग्राम पंचायत बिलौता द्वारा विद्यालय के नए भवन निर्माण के दौरान पुराने भवन से करीब 60 पत्थर की पट्टियां उतारी गई थीं। शाला प्रबंधन समिति का आरोप है कि इनमें से 55 से अधिक पट्टियां कथित रूप से गायब कर दी गईं तथा उनका नियमों के विपरीत निस्तारण अथवा विक्रय किया गया। इस पूरे प्रकरण की जांच विभिन्न स्तरों पर पहले से जारी है। शिकायतकर्ता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों का आरोप है कि मामले में तत्कालीन सरपंच सुरेश मीणा तथा तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी जसराम मीणा की संदिग्ध भूमिका की जांच की जा रही है। हालांकि संबंधित पक्षों की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है तथा आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।स्थानीय ग्रामीणों एवं अभिभावकों का यह भी आरोप है कि मामले की जांच के दौरान ग्राम पंचायत बिलौता, पंचायत समिति तथा शिक्षा विभाग के कुछ जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा विरोधाभासी एवं गोलमोल जवाब देकर वास्तविक स्थिति को स्पष्ट नहीं होने दिया जा रहा है। वहीं संबंधित विभागों का कहना है कि मामले की जांच प्रक्रिया जारी है। इसी बीच अब नया विवाद विद्यालय परिसर के पीछे खुले में पड़ी बची हुई पट्टियों के गायब होने को लेकर सामने आया है। विद्यालय प्रबंधन समिति (स्म्ष्ट) के पदाधिकारियों का दावा है कि परिसर में रखी करीब आधा दर्जन टूटी हुई पट्टियां भी हाल ही में चोरी हो गई हैं। इसकी जानकारी शाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों द्वारा विद्यालय के प्रधानाध्यापक युवराज चंदेल को फोन कर सूचना दे दी गई है। समिति का कहना है कि मामले में जल्द ही अज्ञात चोरों के विरुद्ध पुलिस थाना अलीगढ़ में रिपोर्ट दर्ज करवाई जाएगी। विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग करते हुए कहा है कि स्कूल की सरकारी संपत्ति के लगातार गायब होने के मामलों से ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। समिति ने हाल ही में गायब हुई पट्टियों का पता लगाकर अज्ञात चोरों को चिन्हित करने तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि राजकीय विद्यालय की पट्टियों के कथित रूप से गायब होने का मामला पिछले कई वर्षों से विभिन्न विभागों में विचाराधीन है। सूत्रों के अनुसार जांच पूरी होने के बाद संबंधित व्यक्तियों की जिम्मेदारी तय होने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की संभावना है। फिलहाल ग्रामीणों, अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन समिति की निगाहें जांच रिपोर्ट तथा प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

मेड़ता रोड में ओवरब्रिज निर्माण स्थल बना जलभराव का जाल

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। मेड़ता रोड में रेलवे गेट नंबर 101 के पास ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते छोड़े गए राष्ट्रीय राजमार्ग हिस्से पर जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। पीडब्लूडी और नगर पालिका की लापरवाही के कारण यहां सड़क पर लंबे समय से पानी भरा रहने से आमजन, वाहन चालक और आसपास के व्यापारी भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, पेट्रोल पंप से आगे ओवरब्रिज निर्माण कार्य के कारण सड़क का निर्माण पूरा नहीं किया गया है, जिससे जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों में बारिश का पानी भर जाने से स्थिति और भी खराब हो गई है। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद कभी-कभी पीडब्लूडी और ठेकेदार द्वारा मिट्टी डाली जाती है, लेकिन वह भी कुछ ही समय में बहकर फिर से गड्ढे खुल जाते हैं। क्षेत्र में नालों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी निकल नहीं पाता और पूरा पानी सड़क पर ही जमा हो जाता है। इससे आए दिन वाहन

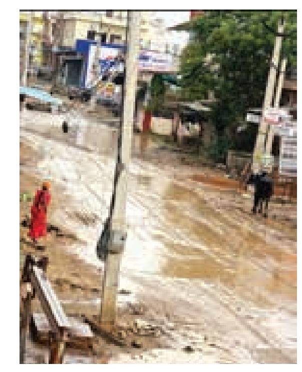

फंसने की घटनाएं हो रही हैं और दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदा और बरसाती पानी सड़क पर जमा रहने से न सिर्फ आवागमन बाधित हो रहा है, बल्कि दुकानदारों और आसपास रहने वाले परिवारों का जीवन भी प्रभावित हो रहा है। कई बार शिकायतों के बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से लोगों में रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों और व्यापारियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द उचित जल निकासी व्यवस्था और सड़क मरम्मत कार्य पूरा कराने की मांग की है, ताकि आमजन को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

वरिष्ठ पत्रकार भरत देवड़वाल राजस्थान प्रदेश सचिव मनोनीत

स्मार्ट हलचल | जयपुर

न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ (राष्ट्रीय ग्रामीण) ने वरिष्ठ पत्रकार भरत देवड़वाल को राजस्थान प्रदेश का सचिव नियुक्त किया है।

संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी.एल. शर्मा की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ग्रामीण जगदीश मीणा ने भरत लाल मीणा (देवड़वाल) निवासी बाढ़ छोरिया, सुनारा, निवाई को राजस्थान प्रदेश सचिव पद पर मनोनीत करते हुए नियुक्ति पत्र क्रमांक 105/2026 जारी किया। नियुक्ति पत्र दिनांक 6 जून 2026 को जारी हुआ।

नियुक्ति पत्र में भरत देवड़वाल की पत्रकारिता के प्रति विश्वास एवं सराहनीय कार्य को देखते हुए यह नियुक्ति की गई है। संघ को पूर्ण विश्वास है कि वे संगठन का कार्य शासन-प्रशासन के नियमों के अनुसार ईमानदारीपूर्वक करेंगे। इस नियुक्ति पर प्रदेश भर के पत्रकार समाज के लोगों ने भरत देवड़वाल को बधाइयां दी हैं। साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष डी.एल. शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष ग्रामीण जगदीश मीणा और प्रदेश महामंत्री देवीलाल बैरवा का आभार व्यक्त किया है।

एसपी के दौरे के बीच बेखौफ बजरी माफिया-बनेठा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े अवैध बजरी परिवहन जारी

बजरी पर पुलिस कार्रवाई के दौरान बिना रुके मौके से गुजरे एसपी रोशन मीणा-पुलिस कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। जिले में अवैध बजरी परिवहन पर अंकुश लगाने के दावों के बीच शनिवार को उनियारा सर्किल अन्तर्गत बनेठा थाना क्षेत्र में एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने खनन माफियाओं की सक्रियता और प्रशासनिक सख्ती को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए।एक ओर जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा (आईपीएस) उनियारा सर्किल के दौरे पर थे, वहीं दूसरी ओर सूंथडा गांव में अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़े जाने की कार्रवाई चर्चा का विषय बन गई।

जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब 5 बजे बनेठा थाना पुलिस ने सूंथडा गांव में अवैध बजरी परिवहन की सूचना पर कार्रवाई करते हुए बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। बताया जा रहा है

कि कार्रवाई के दौरान 112 पुलिस वाहन के सीसीटीवी कैमरों में भी पूरी गतिविधि रिकॉर्ड हुई। ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़े जाने की सूचना फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए, जिससे क्षेत्र में हलचल का माहौल बन गया। ग्रामीणों का आरोप है कि बनेठा थाना क्षेत्र में लंबे समय से अवैध बजरी परिवहन का कारोबार जारी है। समय-समय पर कार्रवाई होने के बावजूद बजरी माफियाओं के हौसले कम नहीं हुए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि ओवरलोड बजरी वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़कों की हालत बदतर हो चुकी है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों व ग्रामीणों के अनुसार जब सूंथडा गांव में पुलिस की कार्रवाई चल रही थी और ग्रामीणों की भीड़ मौजूद थी, उसी दौरान शनिवार शाम के समय 5 बजकर 21 मिनट पर जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा का काफिला बनेठा से सूंथडा होते हुए ढिकोलिया की ओर निकला। ग्रामीणों का कहना है कि एसपी का वाहन घटनास्थल पर बिना रुके आगे बढ़ गया, जिसके बाद यह मामला क्षेत्रभर में चर्चा का विषय बन गया।घटना के बाद एक बार फिर अवैध खनन और बजरी परिवहन पर नियंत्रण को लेकर बहस तेज हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुलिस अधीक्षक के दौरे के दौरान ही अवैध बजरी परिवहन का मामला सामने आ रहा है, तो सामान्य परिस्थितियों में स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध खनन और बजरी परिवहन के खिलाफ केवल औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि निरंतर और प्रभावी अभियान चलाया जाए।

उठ रहे हैं कई अहम सवाल

एसपी के दौरे के दौरान ही अवैध बजरी परिवहन कैसे जारी रहा?

क्या बजरी माफिया कार्रवाई के बावजूद बेखौफ होकर सक्रिय हैं?

अवैध खनन और परिवहन पर स्थायी रोक लगाने के लिए प्रशासन की क्या कार्ययोजना है?

क्या लगातार कार्रवाई के दावों के बावजूद क्षेत्र में बजरी माफियाओं का नेटवर्क प्रभावी बना हुआ है?

फिलहाल यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और ग्रामीणों ने अवैध बजरी परिवहन के खिलाफ कठोर, पारदर्शी और निरंतर कार्रवाई की मांग उठाई है।

मीणा समाज की मासिक बैठक आज

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। मीणा समाज विकास संस्थान केकड़ी के तत्वावधान में मीणा समाज की विशाल मासिक बैठक आज 7 जून 2026 को बावन माता, सावर में आयोजित होगी। बैठक में भवन निर्माण, सदस्यता अभियान, छात्रावास हेतु भूमि आवंटन एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की जाएगी। आयोजकों ने समाजबंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

अमर शहीद नानक जी भील की पुण्यतिथि के अवसर पर बरड़ क्षेत्र में 8 जून से लगेंगे प्री-कैम्प

स्मार्ट हलचल | बून्दी

अमर शहीद नानक जी भील की पुण्यतिथि (13 जून) के अवसर पर आयोजित होने वाले आदिवासी विकास मेले से पूर्व बरड़ क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में प्री-कैम्पों का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार, उपखण्ड अधिकारी लक्ष्मीकान्त मीणा ने आदेश जारी कर 8 जून से 12 जून 2026 तक विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। इन शिविरों का समय सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 8 जून को धनेश्वर ग्राम पंचायत भवन में जवाहर सागर, खड़ीपुर, धनेश्वर के लिए, 9 जून को बुधपुरा ग्राम पंचायत भवन में बुधपुरा, गोपालपुरा के लिए, 10 जून को डाबी ग्राम पंचायत भवन में डाबी, लाम्बाखोह, राजपुरा, सूतड़ा, गणेशपुरा के लिए, 11 जून को लक्ष्मीपुरा ग्राम पंचायत भवन में लक्ष्मीपुरा, डोरा के लिए तथा 12 जून को डाबी ग्राम पंचायत भवन उपतहसील मुख्यालय पर समस्त बरड़ क्षेत्र की ग्राम पंचायतो के लिए प्री कैंप आयोजित होंगे।

उपखण्ड अधिकारी ने बताया कि शिविरों में ग्रामीणों को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभान्वित किया जायेगा। कैंप में मुख्य रूप से राजस्व एवं विकास से जुड़े मामलों का निस्तारण, स्वास्थ्य जांच, रोजगार

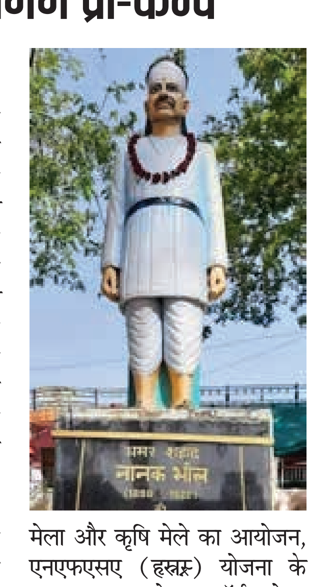

मेला और कृषि मेले का आयोजन, एनएफएसए (ह्स्नस्न्र) योजना के तहत नए आवेदन फॉर्म लेना, किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री की सुविधा, दिव्यांगजनों को आवश्यक उपकरण एवं सहायता सामग्री का वितरण संबंधी कार्य किए जाएंगे।

उपखंड अधिकारी ने उपखण्ड स्तरीय समस्त अधिकारियों, ग्राम विकास अधिकारियों और हल्का पटवारियों को निर्धारित समय और स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही तहसीलदार को पटवारियों की और मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पाबंद किया गया है। विकास अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में इन कैंपों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई हैं।

अवैध बजरी खनन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई-माफियाओं से झड़प के बाद 17 गिरफ्तार

ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्ती के दौरान भड़का विवाद,सरकारी वाहन में तोड़फोड़-फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश

स्मार्ट हलचल

टोंक। निवाई सर्किल अन्तर्गत दतवास थाना क्षेत्र के अगरपुरा गांव में शुक्रवार को अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची पुलिस की टीम और बजरी कारोबार से जुड़े लोगों के बीच आमना-सामना होने पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई।दतवास थाना पुलिस द्वारा अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किए जाने के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया तथा कुछ लोगों ने उग्र होकर पुलिस के सरकारी वाहन में तोड़फोड़ कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दतवास थाना पुलिस को क्षेत्र में अवैध बजरी खनन एवं परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने अगरपुरा गांव के समीप कार्रवाई करते हुए बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया। पुलिस जब बजरी के वाहन को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही थी, तभी बजरी कारोबार से जुड़े कुछ लोग मौके पर पहुंच गए और जब्त वाहन को छुड़ाने का प्रयास करने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अन्य लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए।पुलिस और मौजूद लोगों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो बाद में झड़प में बदल गई, इस दौरान कुछ बजरी माफिया सहित उपद्रवियों ने सरकारी वाहन को निशाना बनाते हुए उसमें तोड़फोड़ कर दी। घटना के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए और पुलिस को अतिरिक्त पुलिस जाब्ता मौके पर बुलाना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक निवाई रवि प्रकाश शर्मा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।इसके अलावा सर्किल के निवाई, निवाई सदर सहित आसपास के थानों का पुलिस बल भी घटनास्थल पर बुलाया गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सर्किल के अन्य थानाधिकारियों को भी मौके पर तैनात किया गया। पुलिस अधीक्षक व एएसपी के निर्देशन में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उपद्रव और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में 13 पुरुषों तथा 4 महिलाओं सहित कुल 17 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है तथा घटना में उनकी भूमिका की जांच की जा रही है।वहीं कई आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, पुलिस कार्रवाई का विरोध करने, जब्त वाहन छुड़ाने का प्रयास करने तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।किसी भी प्रकार के दबाव, विरोध या अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में अवैध बजरी खनन लंबे समय से प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है। समय-समय पर पुलिस एवं खनन विभाग द्वारा कार्रवाई किए जाने के बावजूद अवैध खनन और परिवहन पूरी तरह नहीं रुक पाया है। शुक्रवार की घटना ने एक बार फिर अवैध बजरी कारोबार से जुड़े तत्वों के बढ़ते हौसलों और प्रशासन के सामने मौजूद चुनौतियों को उजागर कर दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में फरार आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी की जाएगी। वहीं क्षेत्र में कथित रूप से चर्चा है कि अगर पुलिस व वन विभाग सहित जिम्मेदार विभाग अवैध खनन व परिवहन को सांठगांठ से संरक्षण देकर बढ़ावा नहीं देते तो इस तरह के हालात कभी भी उत्पन्न नहीं होते, लेकिन पुलिस की सांठगांठ की वजह से ही माफियाओं के हौसले बुलंद है।

यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे, साथ में नजर आई शरवरी वाघ

पिछले साल आई सफल फिल्म 'सैयारा' ने अहान पांडे को रातोंरात स्टार बना दिया। अब अहान अली अब्बास जफर के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी तक फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। अब फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसने फिल्म को लेकर फैंस में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो कथित तौर पर फिल्म के यूके शूटिंग शेड्यूल का है। इसमें अहान पांडे के साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ नजर आ रही हैं। हालांकि, यह वीडियो कुछ ही सेकंड का है, लेकिन अहान और शरवरी को पहली बार पर्दे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हो गए हैं। वीडियो में अहान पूरी तरह से काले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी मैरून शर्ट और नारंगी मिनी स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। फिल्म की 27 दिनों की शूटिंग इस साल की शुरुआत में मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरी हुई थी। इसके बाद टीम एक लंबे इंटरनेशनल शूट के लिए विदेश रवाना हुई, जिसके लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

ऐश्वर्य ठाकरे भी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को एक एक्शन-लव स्टोरी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ जबरदस्त एक्शन और टकराव भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म में 'निशानची' फेम ऐश्वर्य ठाकरे के भी मुख्य भूमिका में नजर आने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्य फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आएंगे।

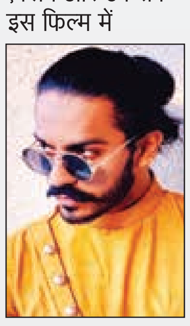

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है

आगामी फिल्म 'पेड्डी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।' साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है। उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।'

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!'

राजेश-विक्रांत की फिल्म अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री

ऐश्वर्या साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं। फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है।

शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।' शेखर सुमन मल्टीटैलेंटड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

पेद्दी की कहानी ने मुझे प्रेरित किया

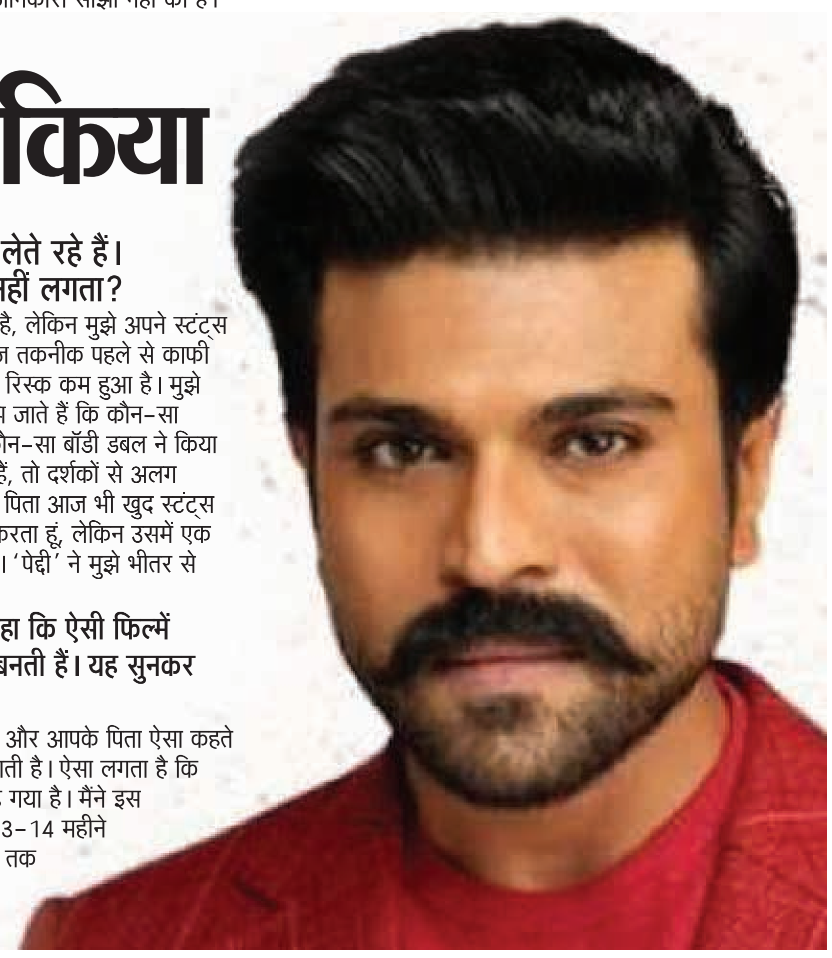

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...

'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे छरूकर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।' मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com